डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 09 > अंक : 02 > मूल्य: 10 रुपए > पृष्ठ : 08

साप्ताहिक समाचार पत्र | मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

जयपुर, मंगलवार, 28 जून, 2022

hillviewsamachar@gmail.com

घमण्ड आदमी की दुर्गति तय करता है।
- शालिनी श्रीवास्तव

पुनर्निर्माण नहीं पुर्नमरम्मत की मिली थी अनुमति लेकिन नाना जी की हवेली (जयपुर कॉलेज) में अवैध निर्माण आज भी निरन्तर जारी

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। विश्व विरासत यूनेस्को की सूची में अपनी ऐतिहासिक विरासत की छवि के लिए प्रसिद्ध परकोटे में स्थित जयपुर कॉलेज (नाना जी की हवेली) में अवैध निर्माण पाँचवीं मंज़िल चढ़ चुका है और तो और आसपास की हवेलियों को भी इस निर्माण में शामिल करने की योजना अंतिम चरण पर है।

जयपुर विश्व विरासती छवि को लगातार अवैध निर्माण धूमिल कर रहे हैं। नगर निगम हैरिटेज ने आँखें मूंद रखी है। इसी दुस्साहस के चलते अन्य भूमाफ़ियाओं को लगातार बल मिल रहा है ऐसे में अवैध निर्माणों की गति परकोटे में दोगुनी हो गयी है।

किशनपोल जोन निगम हेरीटेज से पुनर्निमाण की अनुमति नहीं फिर भी मज़िल-दर-मंज़िल परवान चढ़ रहा नाना जी की हवेली(जयपुर कॉलेज) का अवैध निर्माण। सबसे अहम और संवेदनशील मुद्दा कि दिन दहाड़े कड़कती दोपहरी में अवैध निर्माण में जुटे इन मज़दूरों और कारीगरों का मसीहा कौन है?

किशनपोल जोन नगर निगम हेरीटेज से पुनर्निर्माण की अनुमति नहीं, फिर भी मज़िल-दर-मंज़िल अवैध निर्माण कर परवान चढ़ रही है नाना जी की हवेली

चिलचिलाती धूप में नाना जी की हवेली के अवैध नवनिर्माण के गुम्बदों पर चढ़ कर काम कर रहे मज़दूरों व कारीगरों की ज़िंदगी किसके हाथ में?

वर्तमान में जयपुर कॉलेज (नाना जी की हवेली) चौड़ा रास्ता जयपुर

किशनपोल जोन निगम हेरीटेज से पुनर्निमाण की अनुमति नहीं फिर भी मज़िल-दर-मंज़िल परवान चढ़ रहा नाना जी की हवेली(जयपुर कॉलेज) का अवैध निर्माण। सबसे अहम और संवेदनशील मुद्दा कि दिन दहाड़े कड़कती दोपहरी में अवैध निर्माण में जुटे इन मज़दूरों और कारीगरों का मसीहा कौन?

लगातार परवान चढ़ रहा जयपुर कॉलेज का अवैध निर्माण और दम तोड़ रही युनेस्को सूची में परकोटे की पहचान...

नगर निगम हेरिटेज की अनुमति के बिना बन रहा जयपुर कॉलेज की जगह पर अवैध आलीशान कॉम्प्लेक्स व होटल

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। परकोटा चार दिवारी हो या आदर्शनगर, राजापार्क का पॉश एरिया। यहाँ अतिक्रमण और अवैध निर्माण सर चढ़कर बोल रहा है।

यूडीएच मंत्री शांति धारिवाल शहरों के नवनिर्माण की धुन में अपना सर धून रहे हैं और इधर लगातार ऐतिहासिक धरोहरें ज़मीदोज़ होकर लुप्तप्रायः हो रहीं हैं।

भूमाफ़ियाओं व अवैध निर्माणों में लिप्त बिल्डरों के हौसले बुलंद हैं। शासन से सरकार तक गुहार लगाईं जा चुकीं हैं

दिन-ब-दिन भट्टियों की आग में भभकता जा रहा है गुलाबी शहर जयपुर

कुछ माह पूर्व, जयपुर कॉलेज

आज जयपुर कॉलेज

कारीगरों का मसीहा कौन है?

गुम्बदों पर चढ़ कर काम कर रहे मज़दूरों व कारीगरों की ज़िंदगी किसके हाथ में है?

लगातार भ्रष्टाचार,दबंगता और तानाशाही के चलते आमजन,मीडिया द्वारा घोर विरोध को दरकिनारे करते हुए जयपुर कॉलेज का यह अवैध निर्माण अब निरन्तर दिन-दहाड़े चालू है?

जयपुर कॉलेज (नाना जी की हवेली, गोपाल जी का रास्ता(चौड़ा रास्ता) का लगातार मंज़िल दर मंज़िल चढ़ता अवैध निर्माण हो या राजापार्क या एशिया की सबसे बड़ी कॉलोनी मानसरोवर या मालवीय नगर के आवासीय क्षेत्र में बढ़ते बहुमंज़िला भवन और कॉम्प्लेक्स। यहाँ बढ़ते-चढ़ते यह अवैध निर्माण,यहाँ के निवासियों का सुख-चैन तो छीन ही रहे हैं और तो और समूचा शहर भूमाफियाओं और अतिक्रमणकारियों के नापाक इरादों की भेंट चढ़ रहा है।

इन रिहायशी और पॉश कॉलोनियों में से गुज़रना मुश्किल हो गया है। गली-गली में बाज़ार और वाहनों का जमावड़ा तो बढ़ ही गया है साथ ही बढ़ गया है घर से दुकान में तब्दील होते भवनों का अतिक्रमण। बहुमंज़िला भवन बिना निगम अनुमति के सर उठा रहे हैं। प्रशासन और राजनीति के बड़े दिग्गज़ों का हाथ और साथ पूरे ज़ोर-शोर से सहयोग कर रहा है। जहाँ एक ओर रेवेन्यू का सबसे बड़ा भाग भवन निर्माण,नियमितीकरण आदि से आता है वहीं एक और नगर निगम हैरिटेज के नाक के नीचे सारे काम अवैधता के साथ हो रहे हैं।

ख़बर-बेख़बर

शालिनी श्रीवास्तव

खाद्य लाइसेंस अब भी धड़ाधड़ी से दे रहा है स्वास्थ्य विभाग? RMA लाइसेंस व फायर सेफ्टी से स्वास्थ्य विभाग को कोई सरोकार ही नहीं ?

फूडीज सिटी जयपुर

1. यह खाद्य व्यवसाय (होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे, मिठाई की दुकान, अन्य खाद्य व्यवसाय) व्यवसायिक भवन व व्यवसायिक क्षेत्र में ही संचालित हों इस बात की कोई बाध्यता किये बिना फूड लाइसेंस जारी कर अपने विभाग की खानापूर्ति कर रहा है स्वास्थ्य विभाग!

2. नगर निगम से RMA लाइसेंस या फायर सेफ्टी लाइसेंस की कोई वैल्यू ही नहीं क्योंकि फ़ूड लाइसेंस के दम पर हज़ारों लाखों खाद्य व्यवसाय धड़ल्ले से चल रहे हैं पर फिर भी स्वास्थ्य विभाग को लोगों की ज़िंदगी और जान-माल से खेलने का लाइसेंस देने का अधिकार मिला हुआ है?

3. नगर निगम स्वास्थ्य विभाग भी RMA लाइसेंस व फायर सेफ्टी के बिना चल रहे ढाबे, होटल, पब, बार, रेस्टोरेंट्स, मिठाई की दुकान को केवल दिखावटी नोटिस जारी करता रहता है उसे कोई परवाह नहीं पब्लिक की जान-माल की व सुरक्षा की?

4. बिना RMA लाइसेंस व फायर सेफ़्टी के अवैध चल रहे ढाबे, होटल, पब, बार, रेस्टोरेंट्स, मिठाई की दुकान सील व सीज करने का अधिकार निगम ग्रेटर जयपुर में बैठी स्वास्थ्य अधिकारी रश्मि कांकरियाँ को नहीं? वो केवल कोरी धमकियों से भरे नोटिस जारी कर औपचारिक ड्यूटी पूरी कर सकती हैं?

5. नगर निगम ग्रेटर की मेयर सौम्या गुर्जर से इस विषय पर बात करने पर उन्होंने अपने पीए से कमीश्नर महेन्द्र सोनी के संज्ञान में सारा मामला लाने का कहा और हिलव्यू समाचार टीम को उनके पास अपने पीएम के साथ भेजा। किन्तु लगभग 10-15 दिन से हिलव्यू समाचार की टीम से ग्रेटर कमीश्नर महेन्द्र सोनी इस विषय पर बात करने से कतरा रहे हैं और हर बार की तरह बिना उत्तर दिए महेन्द्र सोनी निगम परिसर से निकल गए।

6. स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा के संज्ञान में भी यह मामला लाया जा चुका है किन्तु उनका कहना है कि फ़ूड लाइसेंस का महत्व केवल खाने की गुणवत्ता निश्चित करना है। यह केंद्र की योजना है।

पूरे जयपुर शहर में हज़ारों खाद्य व्यवसाय बिना आवासीय भवन व फायर एनओसी के संचालित हो रहे हैं तो क्या सबको बंद किया जाना या सील किया जाना संभव हैं? RMA लाइसेंस तो केवल कमर्शियल लैंड या भवन में दिया जाना सुनिश्चित होता है ऐसे में लाइसेंस नहीं दिया जा सकता और इसके बावजूद यदि ये व्यवसाय चल रहे हैं तो हम नोटिस देते हैं इनको मगर सीज करने का अधिकार हमारे पास नहीं!

रश्मि कांकरियाँ
स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगम ग्रेटर,जयपुर

स्वास्थ्य विभाग खाद्य सुरक्षा आयुक्त सुनील शर्मा का कहना है कि फ़ूड लाइसेंस स्वास्थ्य विभाग की एक अलग प्रक्रिया है और RMA लाइसेंस व फायर सेफ्टी निगम की और यह सरकार का अधिकार क्षेत्र है अतः इस विरोधाभास का समाधान या तो निगम कर सकती है या स्वयं सरकार ही कर सकती है।

अधिकारी हो या मंत्री किसी को जनता के जान-माल की सुरक्षा से सरोकार नहीं बेहद चिंतनीय विषय है कि केवल खाना पूर्ति करने की एवज में हज़ारों की तनख़्वाह सरकार से मिल रही है निरंतर ऐसे भ्रष्ट तंत्र को।

गहलोत के पायलट-शेखावत वाले बयान पर मंत्री शांति धारीवाल बोले...सही कहा

और बोले... मुख्यमंत्री ने माना है तो हमने भी माना, देखा भी है

हिलव्यू समाचार

कोटा। सरकार गिराने के प्रयास में गजेंद्र सिंह शेखावत और सचिन पायलट वाले सीएम अशोक गहलोत के बयान पर यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने प्रतिक्रिया दी है। यूडीएच मंत्री से जब सीएम के बयान को लेकर बात की तो कहा- उन्होंने जो कहा सही कहा।

शांति धारीवाल से पूछा गया था कि अशोक गहलोत ने गजेंद्र सिंह और सचिन पायलट के मिले हुए होने की बात कही है। इस पर आप क्या कहना चाहते हैं? जवाब में धारीवाल ने कहा- उन्होंने जो कुछ कहा ठीक ही कहा, क्या गलत कहा। क्या गलत कहा इसमें।

इसके बाद जब उनसे पूछा गया कि क्या आप मानते हैं कि वह मिले हुए थे? इस पर धारीवाल ने कहा कि बिल्कुल मुख्यमंत्री ने माना है तो हमने भी माना है। देखा भी है। क्या गलत है इसमें।

धारीवाल के बयान के बाद कांग्रेस के भीतर खाने कोल्ड वार की चर्चाओं को और हवा मिली है। यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल फिलहाल कोटा दौरे पर हैं।इस दौरान बात करते हुए जब उनसे यह पूछा गया कि सांसद जसकौर ने कहा है कि राजस्थान में भी महाराष्ट्र जैसी स्थिति होगी। इस पर धारीवाल ने कहा कि महाराष्ट्र की बात तो महाराष्ट्र वाले जाने। राजस्थान में उन्होंने पहले भी मुंह की खाई है। फिर खा जाएंगे। राज्यसभा चुनाव में 126 में से 126 वोट पड़े, उन्हीं का वोट टूटा।

कांग्रेस सांसद बोले...अग्निपथ स्कीम में नौजवान जरूर कराएं रजिस्ट्रेशनः कहा...

हमें एतराज नहीं, कोई अपनी बात कहे तो सरकार एतराज न करे

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राज्यसभा सांसद और कांग्रेस वर्किंग कमेटी के मेंबर दीपेन्द्र सिंह हुड्डा ने केन्द्र की अग्निपथ स्कीम में रजिस्ट्रेशन के मुद्दे पर कहा- देश के नौजवान इसमें जरूर रजिस्ट्रेशन कराएं, हमें कोई एतराज नहीं है। हम देश के युवा की आवाज उठा रहे हैं। युवा स्वतंत्र है। जिसको लगता है कि केन्द्र सरकार की अग्निवीर स्कीम में रजिस्ट्रेशन कराएं तो हमें कोई एतराज नहीं है। मगर साथ में केंद्र सरकार को भी कोई एतराज नहीं होना चाहिए कि कोई शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात कहे। सरकार को भी संयम और बड़ा दिल रखना चाहिए।

हुड्डा ने कहा केंद्र सरकार ने एक बात कही है कि बहुत से नौजवान इस स्कीम में अपना रजिस्ट्रेशन करवाएंगे। देश में बेरोजगारी का यह आलम है कि बहुत से नौजवान स्वाभाविक तौर पर रजिस्ट्रेशन करवाएंगे। देश में कहीं कोई चपरासी की पो्स्ट भी निकलती है, तो पीएचडी तक योग्यता वाले युवा उसमें एप्लाई करते हैं। केन्द्र सरकार की आर्थिक नीतियों और सत्ता के कारण देश के युवाओं की ये हालत है। ऐसे में उस बात से सरकार को स्कीम की सफलता का अंदाजा नहीं लगाना चाहिए।

पहले 'वन रैंक, वन पेंशन', अब 'नो रैंक नो पेंशन': जयपुर में प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान हुड्डा ने कहा- केंद्र सरकार सेना में पेंशन रोकने के लिए अग्निपथ स्कीम लाई है। हरियाणा में रेवाड़ी की वीर भूमि से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'वन रैंक, वन पेंशन' का नारा दिया, लेकिन अब दिल्ली से 'नो रैंक नो पेंशन' का संदेश फौजियों में दिया है। जो नेगेटिव है। एनडीए सरकार के रक्षा बजट में पिछले 5 साल में बड़ी कटौती हुई है। साल 2017-18 में रक्षा बजट 17.8 फीसदी था। 2020-21 में यह घटकर 13.9 फीसदी रह गया। इतनी भारी गिरावट तब हुई है, जब चीन हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। कई-कई किलोमीटर अंदर तक चीन की फौज चली गई। जब सरकार और फौज ने खुद देश के सामने यथास्थिति रखी हो। जब पाकिस्तान और चीन दोनों एक होकर टू फ्रंट वॉर की बात करते हों, ऐसे समय में रक्षा बजट में भारी कटौती कौन सी देशभक्ति है।

उन्होंने कहा केन्द्र सरकार देश के किसी भी छोटे गांव-कस्बे में चली जाए। हम निमंत्रण देते हैं राजस्थान में भी केन्द्र सरकार आए। मोदी जी अपना हेलिकॉप्टर सुबह 5-6 बजे उतार दें। राजस्थान-हरियाणा में प्रैक्टिस करने वाले युवाओं ने रजिस्ट्रेशन करवाया होगा। उनसे पूछ लें- क्या यह योजना ठीक है। इससे वो संतुष्ट हैं या नहीं हैं?

हुड्डा ने कहा हम चाहते हैं कि शांतिपूर्ण तरीके से देश का युवा बात उठाना चाहे, ज्ञापन देना चाहे, तो यह भी लोकतंत्र का एक हिस्सा है। अहिंसा की लक्ष्मण रेखाओं के अंदर यह सब हो। जो इसका उल्लंघन करता है उसका हम समर्थन नहीं करते। खबर आ रही है केंद्र सरकार की ओर से संदेश दिया जा रहा है कि प्रदर्शन में किसी की फोटो आ गई,तो फौज में भर्ती नहीं होगी। कोचिंग सेंटर में से बच्चे प्रोटेस्ट में गए तो उस पर ईडी की कार्रवाई होगी। यह लोकतंत्र के हक में नहीं है। क्योंकि सच और जनभावनाओं को लोकतंत्र में दबाया नहीं जा सकता है। इसलिए विपक्ष के रूप में हम सरकार को आईना दिखाएंगे, तो शक नहीं है कि सरकार इस स्कीम से रोकबैक करेगी। हुड्डा के साथ प्रेसवार्ता में पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा समेत कांग्रेस नेता भी मंच पर मौजूद रहे।

ना कुछ से निर्णय करने के बजाए आवश्यक कार्यवाहियों पर ध्यान दे ग्रेटर नगर निगम आयुक्त महेंद्र सोनी

नगर निगम ग्रेटर के कमिश्नर महेंद्र सोनी के निर्णय व अधिकार तो बैनरों और पोस्टरों की अवैधता व कचरा हटाने तक सीमित रह गए हैं जिसमें भी उनकी कार्यक्षमता वह प्रभाव नहीं जमा पा रही जिससे उनकी प्रशंसा की जा सके। वे इन विषयों का संज्ञान नहीं लेते बेहद आश्चर्य व संशय की बात है।

शहर में अवैध निर्माण और अतिक्रमण और अवैध चलते ढाबे, होटल, रेस्टोरेंट्स, मिठाई की दुकानें, आवासीय भवनों में चल रही कमर्शियल गतिविधियाँ व इन सबके कारण शहर में यातायात की अवरुद्धता व गंदगी पर ध्यान क्यों नहीं जाता आयुक्त नगर निगम ग्रेटर का?

राजापार्क हो या आदर्श नगर,मालवीय नगर हो या मानसरोवर,वैशाली हो या सी स्कीम। शहर के हर आवासीय क्षेत्र में कमर्शियल गतिविधियाँ इस क़दर बढ़ गयी हैं कि जयपुर शहर पूरा का पूरा बाज़ार नज़र आता है। सुख-चैन के दिन हवा हुए बस यह एक व्यवसायिक सिटी बन गया है।

हर तरफ़ जाम दिखाई देता है। स्ट्रीट फूड ठेलों से लेकर रेस्टोरेंट तक की भरमार शहर का सुख-चैन छीन रही है।

अवैध होर्डिंग, बैनर और पोस्टर केवल वर्तमान सरकार के अलावा सबके हटा दिए गए हैं। बाक़ी व्यवसायिक बैनर अवैध हों या वैध शहर के कोने-कोने में लगे हैं। राजस्थान की राजधानी जयपुर में इन सबके चलते लगता है कि अंग्रेजों का शासन आ गया है कि जो वो करें सब सही बाक़ी जो दूसरा करे सब ग़लत?

हर तरफ़ सांठगांठ का माहौल है जो जहाँ से लूट सके लूट ले। खुली छूट है। बशर्ते वह सरकारी या प्रशासनिक तौर से ज़िम्मेदार हो या पदस्थापित हो?

सरकार अपने हक़ों की लड़ाई में व्यस्त है जनता के हक़-अधिकार का सरकार से कोई वास्ता नहीं।

आये दिन दुर्घटनाओं से पत्रिकाएं भरी होती हैं। इन सबका कारण शहर में बढ़ रही अवैध कमर्शियल गतिविधियां हैं जिसके चलते देर रात तक बाज़ार चलते रहते हैं और वारदातें, दुर्घटनाएँ लगातार बढ़ गयी हैं।

शासन और प्रशासन इस ओर अब भी ध्यान दे दे तो बेहतर होगा अन्यथा जनता सब समझ रही है और जान रही है अब।

मंत्री बीडी कल्ला की पत्नी ने की रैंप वॉक

फैशन शो में मॉडल्स के साथ लाल साड़ी में कैट वॉक की

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर में एक फैशन शो के दौरान लोग तब हैरान रह गए, जब मंत्री बीडी कल्ला की पत्नी रैंप पर उतरी। उन्होंने प्रोफेशनल मॉडल्स के साथ रैंप वॉक की। इस दौरान वो लाल रंग की साड़ी में नजर आईं। मौका था जवाहर कला केंद्र में हुए 'नवेश्रीति' का आखिरी दिन। जिसमें बुनकर के प्रोडक्ट्स को प्रमोट किया गया।

इस मौके पर फैशन शो का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने रजवाड़ी कोटा डोरिया साड़ियां पहनकर हिस्सा लिया। समापन समारोह में कैबिनेट मंत्री बी.डी. कल्ला मुख्य अतिथि थे। कल्ला ने बुनकर सेवा केंद्र जयपुर के निदेशक तपन शर्मा लिखित हैंडलूम जूट किताब का विमोचन करने के साथ हथकरघा बुनाई में राष्ट्रीय पुरस्कार अवॉर्डी रघुवीर सिंह बुंदेला और मो. यासीन को सम्मानित किया। रजवाड़ी कोटा डोरिया के फैशन शो में बीडी कल्ला की पत्नी शिवकुमारी कल्ला ने रैंप पर कैटवॉक कर बुनकरों के प्रोड्क्टस को प्रमोट किया।

संपादकीय

अस्तित्व के संकट से जूझती शिवसेना, विचारधारा से समझौता करने और परिवारवाद को बढ़ावा देने का है नतीजा

बीते कई दशकों से महाराष्ट्र की राजनीति में गहरा असर रखने वाली शिवसेना जिस तरह बिखराव से ग्रस्त है, उसके लिए उद्धव ठाकरे अपने अलावा अन्य किसी को दोष नहीं दे सकते। मराठी अस्मिता और हिंदुत्व की राजनीति के लिए जानी जाने वाली शिवसेना का गठन जिन बाल ठाकरे ने किया था, उन्होंने कभी स्वयं सत्ता की कमान नहीं संभाली, लेकिन उद्धव ठाकरे ने इस परंपरा को तोड़ दिया और पिछले विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री बनने के लालच में भाजपा से नाता तोड़ लिया। यह फैसला आत्मघाती सिद्ध हुआ, क्योंकि वह उस कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यानी राकांपा की शरण में चले गए, जो उसे सांप्रदायिक कहकर कोसती रहती थीं। हालांकि शिवसेना विधानसभा चुनाव भाजपा के साथ मिलकर लड़ी थी, लेकिन नतीजे आने के बाद वह इस पर अड़ गई कि मुख्यमंत्री पद उसे मिले। उसने यह जिद इसके बाद भी की कि उसे मात्र 55 सीटें मिली थीं और भाजपा को 105।

एक समय था जब शिवेसना भाजपा की वरिष्ठ सहयोगी हुआ करती थी, लेकिन बाद में भाजपा के मुकाबले उसके वोट प्रतिशत और सीटों में कमी आती गई। परिणाम यह हुआ कि मुख्यमंत्री पद भाजपा के हिस्से में चला गया। लगता है शिवसेना इस कड़वी राजनीतिक हकीकत को हजम नहीं कर पाई और इसीलिए पिछले चुनाव के बाद उसने यह कहना शुरू कर दिया कि भाजपा ने उसे मुख्यमंत्री बनाने का वादा किया था। चूंकि भाजपा ने ऐसा कोई वादा किया नहीं था, इसलिए वह उसे मुख्यमंत्री पद देने को तैयार नहीं हुई।

सत्ता के लिए उतावले दिख रहे उद्धव ठाकरे को राकांपा नेता शरद पवार ने न केवल सहारा दिया, बल्कि कांग्रेस को भी इसके लिए राजी कर लिया कि भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए उसे शिवसेना के नेतृत्व वाली सरकार का साथ देना चाहिए। आश्चर्य की बात यह रही कि कांग्रेस इसके लिए तैयार भी हो गई, लेकिन आज स्थिति यह है कि जिन शरद पवार ने महाविकास अघाड़ी सरकार बनवाई, वह शिवसेना में विद्रोह को उसका आंतरिक मामला बताकर कर्तव्य की इतिश्री कर रहे हैं। इससे तो यही लगता है कि उन्होंने शिवसेना का इस्तेमाल कर उसे उसके हाल पर छोड़ दिया। कांग्रेस के रुख-रवैये से भी यही प्रकट होता है कि उसे इसकी चिंता नहीं कि उद्धव सरकार रहे या जाए।

महाराष्ट्र सरकार की कमान भले ही उद्धव ठाकरे के हाथ में हो, लेकिन उसे एक तरह से शरद पवार ही चला रहे थे। उन्होंने गृह मंत्रालय के साथ वित्त मंत्रालय अपने दल के नेताओं को दिया। हालांकि शिवसेना के कई नेता कांग्रेस और राकांपा के साथ मिलकर सरकार बनाने को तैयार नहीं थे, लेकिन उद्धव के आगे उनकी एक नहीं चली। मुख्यमंत्री बनने के लोभ में उन्होंने इसकी परवाह नहीं की कि कांग्रेस और राकांपा के साथ मिलकर सरकार बनाने से शिवसेना के समर्थकों और कार्यकर्ताओं के बीच क्या संदेश जाएगा? उन्होंने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए जिस तरह शिवसेना की विचारधारा का परित्याग किया, उसके दुष्परिणाम सामने आने ही थे।

उनके फैसले को शिवसेना नेताओं ने बेमन से स्वीकार भले कर लिया हो, लेकिन वे यह समझ रहे थे कि उन्हें इसकी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ेगी। शिवसेना के नेता और कार्यकर्ता जो घुटन महसूस कर रहे थे, उसका

पूरा लाभ भाजपा ने उठाया। भले ही भाजपा यह कह रही हो कि शिवसेना में विद्रोह से उसका कोई लेना-देना नहीं, लेकिन कोई भी समझ सकता है कि विद्रोही शिवसैनिकों से उसका संपर्क-संवाद कायम होगा।

लगता है देवेंद्र फडनवीस ने इस बार बहुत सधे ढंग से अपनी चाल चली है। इसके पहले फडनवीस के कारण ही भाजपा ने पहले राज्यसभा चुनाव में बढ़त हासिल की और फिर विधान परिषद चुनाव में भी। फडनवीस के नेतृत्व में भाजपा ने बीते ढाई साल में शिवसेना को बार-बार केवल आईना ही नहीं दिखाया, बल्कि यह भी उजागर किया कि महाविकास अघाड़ी सरकार एक बेमेल गठबंधन वाली सरकार है।

यह पहले दिन से तय था कि महाविकास अघाड़ी के नाम पर जो गठबंधन बना, वह अस्थायी है, क्योंकि कांग्रेस लगातार यह कह रही थी कि वह अगला चुनाव अपने दम पर लड़ेगी, लेकिन उद्धव ठाकरे दीवार पर लिखी इबारत पढ़ने से इन्कार करते रहे। उन्हें यह भी पता था कि राकांपा भी उसके साथ मिलकर अगला चुनाव नहीं लडने वाली और वह अपने बलबूते कोई करिश्मा नहीं कर पाएंगे, फिर भी उन्होंने दूरदर्शिता दिखाने से इन्कार किया। जब शिवसैनिक इसे लेकर बेचैन थे कि वे अगले चुनाव में किस मुंह से जनता के पास जाएंगे, तब उद्धव राकांपा और कांग्रेस को खुश करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा को आड़े हाथ ले रहे थे।

शिवसेना के मुखपत्र सामना में ऐसे लेख लिखे जा रहे थे, जो शिवसेना की विचारधारा से मेल नहीं खाते थे। एक समस्या यह भी थी कि उद्धव अपने मंत्रियों से भी मुश्किल से ही मिलते थे। यह ठीक है कि वह बीच-बीच में हिंदुत्व की बात करते रहे और खुद को हिंदुत्ववादी साबित करने के लिए अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का श्रेय भी लेने की कोशिश करते रहे, लेकिन इससे बात बनी नहीं। हाल में उन्होंने बेटे आदित्य ठाकरे को अयोध्या भेजा, लेकिन उसका कोई खास असर इसलिए नहीं पड़ा, क्योंकि वह कांग्रेस और राकांपा के एजेंडे को ही आगे बढ़ाते दिख रहे थे। जो एकनाथ शिंदे शिवसेना में बगावत का नेतृत्व कर रहे हैं, वह पार्टी के कद्दावर नेता ही नहीं, उद्धव ठाकरे के विश्वास पात्र भी थे, लेकिन उनकी लगातार उपेक्षा हुई। ऐसी ही उपेक्षा अन्य नेता भी झेल रहे थे। शिंदे ने कुछ उसी तरह का विद्रोह किया, जैसे एक समय आंध्र में एनटी रामाराव के विरुद्ध उनके दामाद चंद्रबाबू नायडू ने किया था। शिंदे दावा कर रहे हैं कि उनके पास करीब 40 विधायक हैं। वह अपने गुट को असली शिवसेना साबित करने के साथ नई पार्टी बनाने के भी संकेत दे रहे हैं। यदि वह इसमें सफल हो जाते हैं तो उद्धव का खेल खत्म हो सकता है। शिंदे के तेवर यही बता रहे हैं कि उद्धव के लिए सत्ता के साथ पार्टी बचाने की भी चुनौती खड़ी हो गई है। वह गहरे संकट में हैं, इसका पता इससे भी चलता है कि पहले वह विद्रोही विधायकों से मुंबई आकर बात करने की अपील कर रहे थे, लेकिन अब उन्हें धमका रहे हैं। शिवसेना का संकट यह भी बता रहा है कि विचारधारा से समझौता करने और परिवारवाद को बढ़ावा देने के नतीजे अच्छे नहीं होते।

BOL अनमोल

याद रखिए, जब वस्तु गंदी या मैली हो जाती है तो रगड़ने के उपरांत उसकी चमक प्रकट हो जाती है. - जॉन नील

SAPNE अपने

- मिठाई बनाते देखना- धन की प्राप्ति
- मृत्यु होना - दीर्घायु होना
- चूहा देखना - व्यापर में उन्नति
- मुकदमे में निर्दोष छूटना - अपार धन संपदा की प्राप्ति
- किला देखना- खुशी मिलेगी, विकास होगा
- रोटी खाना - शुभ समाचार

OFF साइड

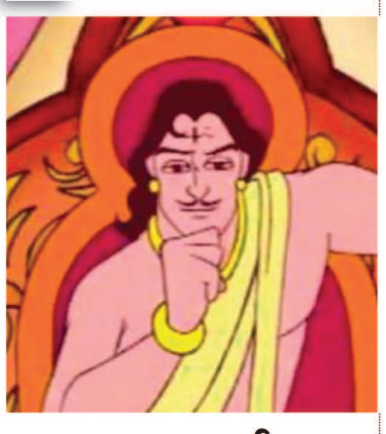

सदमार्ग चिंतामुक्त होता है

अवध देश के एक राजा थे जो बहुत दयालु एवं न्यायप्रिय थे. जिनकी ख्याति अन्य राज्यों में भी फैली हुई थी. उनके न्याय के लिए सभी उनकी प्रशंसा करते थे. प्रजा को भी अपने राजा पर नाज था. न्यायसंगत राजा होता है तो प्रजा में खुशहाली होती है और प्रजा भी सदमार्ग पर चलती है. एक दिन राजा के पुत्र ने एक गंभीर अपराध किया, जिस पर प्रजा में बात होने लगी कि अब राजा क्या निर्णय लेंगे? लेकिन राजा ने अपने पुत्र को उस गंभीर अपराध की कड़ी सजा दी, पर इसके बाद भी राजा के लिए अपशब्द सुनाई देने लगे. प्रजा में कानाफूसी शुरू हो गई. यह देख राजा अत्यंत दुखी थे. एक दिन उन्होंने अपने विद्वान मंत्री से इस विषय पर बात की कि हे महामंत्री! हमने तो न्यायसंगत ही निर्णय लिया, पर इस अपयश का क्या कारण हो सकता है? मंत्री ने सरलता से उत्तर दिया, 'महाराज, जब आसमान में बदली छाती है तो एक छोटा सा बादल भी सूर्य के तेज को कम कर देता है लेकिन बादल छटते ही सूर्य अपने तेज के साथ पुनः निकलता है. उससे उसकी ख्याति में कोई प्रभाव नहीं पड़ता. आपके बेटे से बड़ा अपराध हुआ है लेकिन आपका निर्णय न्यायसंगत है, इसलिए आपके यश में इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा. यह सुनकर राजा को संतुष्टि का अनुभव हुआ और वे अपने कार्यों में लग गए. जब इंसान धर्म के मार्ग पर न्यायसंगत निर्णय लेता है तो उसे डरने की जरूरत नहीं होती. अगर सत्य मार्ग ही जीवन है तो मनुष्य को अपने कर्म करते रहना चाहिए. किसी तरह के अपयश की चिंता में नहीं पड़ना चाहिए.

दिन विशेष

अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस

ज़िंदगी के विनाश का कारण नशा

हर साल 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस मनाया जाता है. इसे मनाने का उद्देश्य है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को नशे की लत या उससे होने वाली मौतों से बचाया जा सके, क्योंकि नशा अपने साथ अंधकार व तबाही लेकर आता है और ज़िंदगी के विनाश का कारण बनता है. लोगों को नशा और इससे होने वाले कुप्रभाव के प्रति जागरूक करने हेतु 1987 में पहली बार अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस मनाया गया.

खराब हो रही नई पीढ़ी

प्राचीन काल में भी नशीली चीजों का सेवन किया जाता था लेकिन उसका उद्देश्य समाज को दूषित करना कतई नहीं था. लेकिन आधुनिक समय में नशा की परिभाषा ही बदल गई है. लोग कई प्रकार का नशा करने लगे हैं, जिनमें शराब, ड्रग्स और हेरोइन जैसी चीजें शामिल हैं. इसके अतिरिक्त भी कई प्रकार के नशा हैं. बच्चे भी नशे की तरफ आकर्षित हो रहे हैं. इससे आने वाली पीढ़ी पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है. इसके साथ ही खपत अधिक होने से अवैध तस्करी भी जमकर हो रही है. इसके मद्देनजर संयुक्त राष्ट्र ने 1987 में एक प्रस्ताव पेश किया, जिसमें समाज को नशा मुक्त करने की बात कही थी. इसे सभी देशों की सर्वसम्मति से पास कर दिया गया. इसके बाद 26 जून, 1987 को पहली बार अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस मनाया गया और फिर हर साल मनाया जाने लगा.

इस दिवस का मुख्य उद्देश्य बच्चे-बड़े सभी को नशे से छुटकारा दिलाना है. साथ ही नशा तस्करी पर भी लगाम कसना है, ताकि बच्चों का भविष्य अंधकारमय होने की बजाय उज्ज्वल और स्वर्णिम रहे. इस दिन दुनिया भर के सभी देशों में नशीली दवाओं और ड्रग्स के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जाता है. भारत में भी इसके खिलाफ सख्त कानून बने हैं. हालांकि, इस पर पूरी तरह से नकेल कसने की जरूरत है. सामाजिक सशक्तिकरण और समाज को नशा मुक्त करने के लिए और भी सख्त कदम उठाने की जरूरत है.

क्या आप जानते हैं

गुरुत्वाकर्षण वह बल है जो सौर्य मंडल में सूर्य और अन्य ग्रहों को बांधे रखता है. यही वो ताकत है जो हमें और हर चीज को धरती की सतह से बांधे रखती है या धरती के केंद्र की तरफ खींचती है. साधारण शब्दों में बोलें तो अगर आप ज्यादा झुकते हैं तो गिर सकते हैं परन्तु जहां गुरुत्वाकर्षण बल काम नहीं करता, वहां झुकने पर नहीं गिरते हैं. न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण के नियम के अनुसार, किसी भी दो कणों के बीच कार्य करनेवाला आकर्षण बल उन कणों के द्रव्यमान के गुणनफल का समानुपाती तथा उनके बीच की दूरी के वर्ग का व्युत्क्रमानुपाती होता है. लेकिन कुछ ऐसी भी जगह है जहां गुरुत्वाकर्षण शून्य हो जाता है. हमारी पृथ्वी पर ऐसी कुछ जगहें हैं, जहां गुरुत्वाकर्षण बल काम नहीं करता.

पृथ्वी के 5 स्थानों पर गुरुत्वाकर्षण नहीं करता काम

मिस्ट्री स्पॉट, सांता क्रूज कैलिफोर्निया

इस जगह को लगभग 1939 में सर्वेक्षणकर्ताओं के एक समूह द्वारा खोजा गया. उनका कहना है कि जब उन्होंने इस जगह को ढूंढा था तब उनको लगता था कि यहां पर कुछ अलग ताकतें काम करती हैं. उनका दावा है कि यहां के चुम्बकीय क्षेत्र में कुछ अलग प्रकार की अनियमितता है और यह चुम्बकीय अनियमितता लगभग 150 वर्गफीट गोलाकार क्षेत्र में देखने को मिलती है, जिसे 'मिस्ट्री स्पॉट' भी कहा जाता है. यह एक ऐसी जगह है जहां गुरुत्वाकर्षण में अजीब सी अनियमितता देखने को मिलेगी जैसे, पानी का ऊपर की तरफ बहना, मैग्नेटिक कंपास का विचित्र तरह से काम करना, लोगों और चीजों के आकार में बदलाव. इस जगह पर आप बिना गिरे एक एंगल पर खड़े हो सकते हैं.

सेंट इग्नास मिस्ट्री स्पॉट, मिशिगन

1950 के समय में जब कुछ लोग सर्वे कर रहे थे तो अचानक से रहस्यमय तरीके से उनके उपकरणों ने काम करना बंद कर दिया. जब उन्होंने इस जगह का गहन सर्वेक्षण किया तो उन्होंने पाया कि ऐसा लगभग 300 वर्गफीट के एरिया में ही हो रहा था. ऐसा भी बताया जाता है कि इस क्षेत्र में जानवर भी आने से परहेज करते हैं. यहां पर भी गुरुत्वाकर्षण न होने के कारण कुछ विचित्र प्रकार की घटनाएं होती हैं जैसे, दीवार पर सीधा खड़ा होना.

कॉस्मोस मिस्ट्री एरिया, रैपिड सिटी

इस जगह पर चलते हुए आपको कुछ पेड़ दिख जाएंगे जो रहस्यमय तरीके से इस मिस्ट्री एरिया की तरफ झुके हुए हैं. यहां भी आप एक एंगल पर बिना गिरे खड़े हो सकते हैं.

स्पूक हिल, फ्लोरिडा

यह एक ऐसी जगह है जहां गाड़ियां अपने आप पहाड़ के ऊपर की तरफ खिंची चली जाती हैं. अगर आप अपनी गाड़ी को बंद कर दें या न्यूट्रल कर दें तो आपको ऐसा लगेगा कि वह पहाड़ की तरफ खिंची जा रही है.

मैग्नेटिक हिल, लेह

यह सड़क का एक छोटा सा मार्ग है जो लेह के कारगिल से करीब 30 किमी दूर स्थित है और लद्दाख के मैग्नेटिक हिल के रूप में जाना जाता है. श्रीनगर-लेह राजमार्ग के इस विशेष भाग पर, आप स्पष्ट रूप से सड़क को ऊपर की ओर बढ़ते देखेंगे. फिर भी अगर आप इंजन बंद कर देते हैं और न्यूट्रल में अपना वाहन रखते हैं तो यह धीरे-धीरे हिलना शुरू कर देगा और 20 किलोमीटर प्रति घंटे की गति तक जा सकता है.

BRAIN जिम

1) कंगारू किस देश का राष्ट्रीय चिह्न है?
- ऑस्ट्रेलिया

2) वायुयान की खोज किसने की?
- ओलिवर और विलिवर राइट बंधुओं ने

3) प्रथम हृदय प्रत्यारोपण किसने किया था?
- डॉ. क्रिश्चियन बर्नार्ड (दक्षिणी अफ्रीका)

4) सात पहाड़ियों का नगर कौन सा कहलाता है?
- रोम

5) शक संवत को राष्ट्रीय पंचांग के रूप में कब अपनाया गया?
- 22 मार्च 1957

6) रेडियम की खोज किसने की?
- पियरे और मैरी क्यूरी ने

7) कितनी ऊंचाई पर जाने से तापमान में 1 डिग्री की कमी हो जाती है?
- 165 मी.

8) विश्व में सर्वाधिक शाखाओं वाला बैंक कौन सा है?
- भारतीय स्टेट बैंक

9) सफेद हाथियों का देश कौन सा है?
- थाईलैंड

10) पर्यावरणविद बहुगुणा का संबंध किस आंदोलन से रहा है?
- चिपको आंदोलन

नॉलेज बाइट

पृथ्वी का सबसे पहला पक्षी आर्कियोप्टेरिक्स

पृथ्वी का सबसे पहला पक्षी आर्कियोप्टेरिक्स था, जिसका जन्म लगभग 14 करोड़ साल पहले हुआ था. इसका विकास रेंगने वाले जंतुओं से हुआ था, इसलिए यह चिड़िया उनसे काफी मिलती-जुलती थी. जैसे- इसके दांत थे. इसके हड्डियों से युक्त एक लंबी पूंछ भी थी. इसकी लंबी-लचीली गर्दन पर इसका सिर था. लेकिन शल्कों की जगह इसके शरीर में पंख थे, इसी कारण इसे चिड़िया का दर्जा दिया गया.

TEESRI आँख

विद्वान की पहचान

एक धार्मिक प्रवृत्ति का राजा था. एक बार उसने एक धर्मग्रंथ लिखा और उसे अपने दरबार में एक ऐसे स्थान पर रख दिया, जहां हर कोई आकर उसे देख सके और जरूरी हो तो अपने सुझाव अथवा आलोचना दर्ज करा सके. एक दिन एक विद्वान पंडित वहां पहुंचा. उसने वह ग्रंथ देखा और राजा से बोला कि इसमें एक जगह गलत लिखा है. राजा ने उसके कहे अनुसार, अपना लिखा काटकर उसका सुझाया हुआ लिख दिया. पंडित उसकी विनम्रता से अभिभूत होकर वहां से चला गया. उसके जाने के बाद राजा ने पंडित के संशोधन को काटकर फिर से पुराना वाला वाक्य ही लिख दिया. यह देख मंत्री ने उनसे इसका कारण पूछा. राजा ने कहा कि वह बहुत विद्वान पंडित हैं लेकिन यहां उनका सुझाव गलत था. फिर भी अगर मैंने उनका कहा न माना होता तो उनके अहं को ठेस लगती और फिर प्रजा में यह संदेश जाता कि मैं आम जनता के सुझावों पर ध्यान नहीं देता. इसलिए मैंने उसे संतुष्ट करने के लिए अपने लिखे सही वाक्य को भी काटने में संकोच नहीं किया.

- वास्तविक विद्वान अपनी आलोचना को प्रतिष्ठा का विषय नहीं बनाते.

हिलव्यू समाचार

hillviewsamachar@gmail.com

03

जयपुर » मंगलवार, 28 जून, 2022

कोटा में 100 करोड़ का ऑक्सीजन वाला पार्क

नए कोटा में बन रहा ऑक्सीजोन पार्क, दिसंबर तक होगा शुरू

हिलव्यू समाचार

कोटा। कोटा वासियों को दिसंबर के बाद शुद्ध हवा मिल सकेगी साथ ही प्राकृतिक ऑक्सीजन की उपलब्धता भी रहेगी। नए कोटा में विश्व स्तरीय सिटी पार्क ऑक्सीजोन का निर्माण काम चल रहा है। इसके पूरा होने के बाद कोटा वासियों को जहां घूमने के लिए एक नया और बेहतरीन स्थान मिलेगा वही यहां की हरियाली पर्यावरण को शुद्ध रखने में भूमिका अदा करेगी।

चार दिवसीय कोटा दौरे पर यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने कोटा में निर्माणाधीन विश्व स्तरीय सिटी पार्क ऑक्सीजोन का निरीक्षण कर समय सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। मंत्री शांति धारीवाल ने पार्क में विकसित की गई विश्व स्तरीय मॉन्यूमेंट्स, गार्डन एवं पानी की उपलब्धता सहित अन्य कार्यों को बारीकी से देखा और मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए। कोटा में ऑक्सीजन की फैक्ट्री कहलाने वाले ऑक्सीजोन पार्क का निर्माण कार्य अंतिम दौर में है।

पार्क में जहां स्टूडेंट्स को तनावमुक्त रखने एवं रिसर्च संबंधी कार्य के लिए प्राकृतिक माहौल के बीच विश्व स्तरीय सुविधाएं विकसित की गई है। वहीं शहर वासियों एवं पर्यटकों के लिए घने जंगल जैसा माहौल, फुलवरिया सहित अन्य आकर्षक चीजों को पार्क में विकसित किया गया है। निरीक्षण के दौरान मंत्री शांति धारीवाल ने पार्क में पानी की उपलब्धता को लेकर अधिकारियों को मौके पर ही विशेष निर्देश दिए। यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने कहा कि उनका मानना है कि अपनी तरह का यह विश्व में इकलौता पार्क है। उन्होंने कहा कि दिसंबर तक चालू हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने दी प्रस्ताव को मंजूरी

11 क्रमोन्नत पुलिस थानों के क्षेत्राधिकार का अनुमोदन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विभिन्न जिलों में पुलिस चौकियों से क्रमोन्नत 11 पुलिस थानों के क्षेत्राधिकार की अधिसूचना के प्रारूप का अनुमोदन कर दिया है। मुख्यमंत्री ने जयपुर जिले के बिन्दायका, जोधपुर जिले के चामू, बूंदी जिले के रायथल, हनुमानगढ़ जिले के फैफाना, बांसवाड़ा जिले के राजतालाब, सवाईमाधोपुर जिले के मित्रपुरा व कुण्डेरा, धौलपुर जिले के सोने की गुर्जा, डूंगरपुर जिले के सरोदा तथा बाड़मेर जिले के धनाऊ व रीको क्षेत्र में पुलिस चौकियों से क्रमोन्नत थानों के क्षेत्राधिकार में रखे जाने वाले गांवों की अधिसूचनाओं के प्रारूप को मंजूरी दी है।

गहलोत की इस मंजूरी से संबंधित क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था अधिक सुदृढ़ होगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने वर्ष 2022-23 के बजट में विभिन्न पुलिस चौकियों को थानों में क्रमोन्नत करने की घोषणा की थी।

जयपुर के महिला चिकित्सालय में बनेगा '500 बेड-IPD टावर'

बांसवाड़ा 'माही नहर प्रोजेक्ट' का 545 करोड़ से होगा रिनोवेशन, सीएम ने दी मंजूरी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर के महिला चिकित्सालय सांगानेरी गेट पर 500 बेड का आईपीडी टावर बनाया जाएगा। 117 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले आईपीडी टावर, होस्टल और उपकरणों की खरीद के प्रपोजल को सीएम अशोक गहलोत ने मंजूरी दे दी है। साल 2022-23 के बजट में इस हॉस्पिटल में डवलपमेंट वर्क कराने की घोषणा की गई थी। SMS हॉस्पिटल कैम्पस में लगभग 588 करोड़ रुपए की लागत से 116 मीटर ऊंचा वर्ल्ड क्लास आईपीडी टावर और बाकी मेडिकल फैसिलिटीज पर पहले से काम जारी है। इनके बनने से एक साथ 1200 बेड की फैसिलिटी बढ़ जाएगी। प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में 1 अप्रैल से ओपीडी और आईपीडी फैसिलिटी मरीजों को फ्री में उपलब्ध कराई जा रही हैं। नया टावर बनने से मरीजों को कोविड जैसी महामारी ही नहीं, सामान्य दिनों में भी बेड और ईलाज की सुविधाओं में कमी से नहीं जूझना पड़ेगा।

सीएम ने बांसवाड़ा जिले में माही परियोजना के नहरी सिस्टम के रिनोवेशन वर्क के लिए गहलोत ने 545 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति दी है। इससे इलाके में 80 हजार हेक्टेयर जमीन में सिंचाई का पानी की बढ़ोतरी होगी। बांसवाड़ा, घाटोल, गढ़ी, आनंदपुरी, बागीदौरा, तलवाड़ा, अरथुना में प्रोजेक्ट के कमांड एरिया के किसानों को इससे फायदा होगा।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक राजस्थान के सरकारी और प्राइवेट हॉस्पिटल्स में कुल 12407 जनरल बेड हैं। जबकि ऑक्सीजन बेड की संख्या 20260, बिना वेंटीलेटर वाले आईसीयू बेड 2744 और वेंटीलेर वाले आईसीयू बेड 2576 हैं। जयपुर में जनरल बेड 1691, ऑक्सीजन बेड 3855, बिना वेंटीलेटर आईसीयू बेड 913 और वेंटीलेटर वाले आईसीयू बेड की संख्या 767 है।

माही नहरों का 545 करोड़ रुपए से होगा रिनोवेशन, 80 हजार हेक्टेयर सिंचाई बढ़ेगी: सीएम गहलोत ने बांसवाड़ा जिले में माही परियोजना के नहरी सिस्टम के इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट और रिनोवेशन वर्क के लिए 545 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति दी है। इस रिनोवेशन से 80 हजार हेक्टेयर इलाके में सिंचाई का पानी बढ़ेगा। जिसका सीधा फायदा किसानों को होगा। पैदावार बढ़ेगी और पानी का संकट मिलेगा। बांयी और दांयी मुख्य नहर सहित कुल 7 नहरी सिस्टम का इस बजट से रिनोवेशन वर्क होगा। दांयी मुख्य नहर और इसके नहरी सिस्टम की आर.डी 0 से 71.62 किलोमीटर करणपुर वितरिका, गेनोरा, लोहारिका, आसोड़ा और खोदन वितरिका, नरवाली, काण्डव माइनर, जगपुरा नहर, हारों नहर और इन सभी के डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम की मरम्मत के काम होंगे।

बांयी मुख्य नहर 0 से 15 किलोमीटर और भूंगड़ा नहर डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम 15 किलोमीटर से 36.12 किलोमीटर, छींछ वितरिका, बागीदौरा माइनर, अरथुना वितरिका, आर.डी 2.5 किलोमीटर से 41 किलोमीटर (टेल एरिया) और परसोलिया वितरिका, भीखा भाई सागवाड़ा आर.डी 0 से 8 किलोमीटर, निठुआ वितरिका, भीखाभाई सागवाड़ा आर.डी 75 से 78.88 किलोमीटर तक मरम्मत और रिनोवेशन वर्क होंगे। गहलोत ने साल 2022-23 के बजट में इसकी घोषणा की थी।

500 बेड आईपीडी टावर में 50 बेड का आईसीयू, 6 मॉल्युलर ऑपरेशन थिएटर बनेंगे

महिला चिकित्सालय में लगभग 85.57 करोड़ रुपए लागत से 500 बेड का आईपीडी टावर बनेगा। 21.43 करोड़ रुपए लागत से 100 कमरों का नया पोस्ट ग्रेजुएट होस्टल बनाया जाएगा। करीब 10 करोड़ रुपए के मेडिकल उपकरण खरीदे जाएंगे। प्रस्ताव के मुताबिक आईपीडी टावर में 50 बेड का आईसीयू, 6 मॉड्युलर ऑपरेशन थिएटर, अंडरग्राउंड पार्किंग भी बनाई जाएगी। आईपीडी टावर में ऐसे मरीजों को इलाज के लिए भर्ती किया जाएगा। जिन्हें उचित देखभाल की जरूरत होती है। इसके वार्ड्स में बिस्तर, मेडिकल उपकरण, डॉक्टर और नर्स 24 घंटे उपलब्ध होते हैं। गहलोत ने एडिशनल बजट प्रोविजन के लिए मेडिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट को नेशनल हेल्थ मिशन की इमरजेंसी कोविड रेस्पॉन्स पैकेज-2 में स्वीकृत फंड का इस्तेमाल करने की भी मंजूरी दी है।

खाचरियावास बोले... MLA-MP को पेंशन, लेकिन जवान को सिर्फ टेंशन

चाहे लाठी-गोली चले, कांग्रेस लागू नहीं होने देंगी अग्निपथ स्कीम

जयपुर। कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा- विधानसभा और लोकसभा का चुनाव 5 साल का होता है। देश में रूक और रूक के लिए तो पेंशन है, लेकिन अब बॉर्डर पर दुश्मन से जंग लड़ने वाले जवान को पेंशन नहीं मिलेगी। अब इस देश में 'ना तो रैंक है, ना पेंशन है। नौजवान को सिर्फ टेंशन है। टेंशन इस बात की है कि पूरे देश के एयरपोर्ट 50 साल के लिए अडानी को दे दिए और फौज में जवान को 4 साल के लिए नौकरी दे रहे हैं। आज 15 साल की नौकरी के बाद जब फौज से जवान घर पर आता है, भारत सरकार उसे ही नौकरी नहीं दे पा रही। तो 4 साल वालों को कहां से नौकरी देगी। 6 महीने की ट्रेनिंग और साढ़े 3 साल की नौकरी देश से धोखा है।

चाहे लाठी चले या गोली, अग्निपथ स्कीम लागू नहीं होने देंगे: खाचरियावास ने कहा- 25 लाख करोड़ रुपए पेट्रोल-डीजल पर पहली बार केन्द्र सरकार ने आजादी के बाद एक्साइज ड्यूटी लगाकर कमाए हैं। ये पाप हो रहा है। हम लड़ेंगे-मरेंगे, आर-पार का संघर्ष करेंगे। देश में चाहे लाठी चले, चाहे गोली चले। कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता मुकाबला करेगा। अग्निपथ योजना लागू नहीं होने देंगे। अग्निपथ की आग में देश जल रहा है। नौजवान की आत्मा रो रही है। नौजवानों के सपनों को सरकार कुचलना चाहती है। कांग्रेस अंतिम दम तक लड़ेगी। लेकिन अग्निपथ को लागू नहीं होने देगी। चाहे सरकार कुछ भी कर ले।

अग्निपथ स्कीम में सैनिकों की 4 साल के लिए भर्ती के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने आज प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में धरना प्रदर्शन कर सत्याग्रह किया। जयपुर शहर के 8 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस नेता, मंत्री, विधायक और विधायक प्रत्याशी, ब्लॉक और वार्ड अध्यक्ष, पार्षद समेत कार्यकर्ताओं ने धरने देकर नारेबाजी की।

मुख्यमंत्री गहलोत बोले...हिंदू राष्ट्र बना भी दिया तो एक नहीं रहेगा

कहा... BJP-RSS ने कभी दलित-आदिवासियों को गले नहीं लगाया

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बीजेपी-आरएसएस पर फिर हमला बोला है। गहलोत कहा है कि बीजेपी वाले हिंदू राष्ट्र की बात कर रहे हैं। क्या हिंदू धर्म के नाम पर ये हिंदू राष्ट्र बनाकर एक रख पाएंगे। हिंदू राष्ट्र बना भी दिया तो एक नहीं रख पाएंगे। यही हिंदू लोग बाद में बात करेंगे कि ये तो शिड्यूल कास्ट के लोग हैं। आज तो बीजेपी के लोग शिड्यूल कास्ट और ट्राइबल को गले लगा रहे हैं कि आप हिंदू हो। इनकी आत्मा से पूछो बीजेपी-आरएसएस ने कभी भी शिड्यूल कास्ट और ट्राइबल को गले नहीं लगाया। गहलोत ने कहा- बीजेपी आरएसस से पूछता चाहता हूं, धर्म के नाम पर पाकिस्तान बना, क्या कारण है कि उसके दो टुकड़े हो गए। जब मुस्लिम देश था, एक ही धर्म के लोग थे फिर वह टूट कैसे गया। धर्म के आधार एक मुल्क बनना अलग बात है उसका कायम रहना अलग बात है। धर्म के नाम पर देश बन सकते हैं लेकिन एक रहेगा यह गारंटी नहीं है। यही बात हिंदू राष्ट्र पर लागू होती है। आज ये हिंदू राष्ट्र की बात कर रहे हैं। अमित शाह हिंदी के लिए दो शब्द बोल गए थे, पूरा दक्षिण उठ खड़ा हुआ। अमित शाह को अपने शब्द वापस लेने पड़े। जब भाषा के नाम पर लोग भड़क सकते हैं, आप सोचिए इनकी सोच क्या है।

वाजेपयी के वक्त इतनी छूट नहीं थी अब लूटने की पूरी छूट है: गहलोत ने कहा- बीजेपी वाले देश को लूट रहे हैं, करप्शन करके। आरएसए बीजेपी के नेताओं को राज का मजा आ गया है। पहली बार राज मिला है, इन्हें राज का मजा आ गया है। वाजपेयीजी के टाइम इतनी छूट नहीं थी, अब लूट की पूरी छूट है लूटने की। जमकर पैसा खा रहे हैं। कांग्रेस को चंदा देना अपराध हो गया है। पूरा चंदा बीजेपी को जा रहा है। कांग्रेस को कोई चंदा देने को तैयार नहीं है।

क्या हम भी राजस्थान बीजेपी के हेडक्वार्टर में पुलिस घुसा दें?: गहलोत ने कहा- राहुल गांधी और कांग्रसे नेताओं के साथ ऐसा व्यवहार किया गया जैसे वे देश के नागरिक नहीं हैं। इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ कि पुलिस कांग्रेस हेडक्वार्टर में घुस जाए और कार्यकर्ताओं को पीटकर बाहर निकाले। जहां बीजेपी की सरकारें नहीं हैं क्या वहां भी बीजेपी के साथ ऐसा बर्ताव करें। राजस्थान में बीजेपी अभी विपक्ष में है। राजस्थान में बीजेपी आंदोलन करे तो क्या हम लोग भी बीजेपी हेडक्वार्टर में पुलिस घुसा दें, वहां मिसबिहेव करें, कार्यकर्ताओं को पीटकर बाहर निकालें, यह शोभा देगा क्या?

इनकी सात पीढी भी कांग्रेस मुक्त नहीं कर सकेंगी: गहलोत ने कहा- बीजेपी-आरएस ने कभी भी शिड्यूल कास्ट, ट्राइबल को गले नहीं लगाया। अंबेडकर छोड़िए गांधी को कभी नहीं माना। आज ये केवल वोटों के लिए गांधी-पटेल की मूर्ति लगवा रहे हैं। सरदार पटेल ने तो आरएसस पर बैन लगाया था। आरएसएस ने माफी मांगी थी। कांग्रेस मुक्त भारत बनाने की बात करते हैं। इनकी सात पीढ़ी भी आ जाएंगी तो भी कांगेस मुक्त नहीं कर सकेंगी।

पुलिस को तानाशाही का रिहर्सल करने का मौका दिया, जब तानाशाही आएगी तब कैसे करना है

गहलोत ने कहा- राहुल गांधी से 50 घंटे ईडी ने पांच दिन तक पूछताछ की, राहुल गांधी ने ईडी का सामना किया वह भी बेमिसाल है। ईडी ऑफिस के बाहर और अंदर पुलिस का रवैया जैसा रहा वह अब तक नहीं देखा गया । पहली बार पुलिस का आतंक देख रहे हैं। पुलिस को तानाशाही का रिहर्सल करने का मौका दिया गया, जब तानाशाही पूरी तरह से आएगी तब कैसे व्यवहार करना है उसका रिहर्सल करने का मौका दिया गया,वह बहुत खतरनाक है। पुलिस ने टारगेट कर करके कांग्रेस नेताओं , महिला नेताओं को चुन चुन कर पकड़ा, पिटाई की गई। दिल्ली के बॉर्डर पर ले जाया गया और रात को 12-1 बजे छोड़ा गया।

12 पाक नागरिकों को जल्द मिलेगी भारतीय नागरिकता जिला कलेक्टर ने दी मंजूरी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जिला कलेक्टर राजन विशाल ने पाकिस्तान के विभिन्न स्थानों से भारत आए हुए 12 पाक नागरिकों को भारतीय नागरिकता प्रमाण पत्र देने संबंधी प्रस्तावों को मंजूरी दी है, जिन्हें आगामी दिनों में भारतीय नागरिकता संबंधी प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। इस दौरान जिला कलेक्टर ने पाक नागरिकों द्वारा भारतीय नागरिकता हासिल करने के लिए प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों को गहनता से चौक किया।

जिला कलेक्टर राजन विशाल ने बताया कि 40 वर्ष पहले अपने पिता के साथ आई हुई चेता बाई को आगामी दिनों में भारतीय नागरिकता प्रमाण पत्र प्रदान कर दिया जाएगा इसी तरह जीवाराम, नसीबन, बशीरन, दर्शन लाल ज्ञानचंद, मोहन, किरण कुमारी को आगामी दिनों में प्रमाण पत्र जारी कर दिए जायेंगे।

जस्टिस शिंदे ने ली राजस्थान हाईकोर्ट CJ पद की शपथ:जुलाई तक रहेंगे चीफ जस्टिस, गहलोत-कटारिया-CP जोशी ने दी शुभकामनाएं

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जस्टिस शिन्दे सम्भाजी शिवाजी ने राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के पद पर शपथ ग्रहण कर ली है। जस्टिस शिंदे राजस्थान हाईकोर्ट के 39वें सीजे बने हैं। राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजभवन में हुए समारोह में शाम 4 बजे प्रदेश के नव नियुक्त चीफ जस्टिस को पद की शपथ दिलवाई। शिन्दे ने इंग्लिश लैंग्वेज में ओथ ली। समारोह की शुरुआत में चीफ सेक्रेट्री उषा शर्मा ने जस्टिस शिन्दे को शपथ दिलाने के लिए राज्यपाल से आग्रह किया। इससे पहले जस्टिस शिन्दे ने राज्यपाल से शिष्टाचार मुलाकात की। जस्टिस अकील कुरैशी के रिटायर्ड होने के बाद से ही राजस्थान में जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के तौर पर काम कर रहे थे। राजस्थान में चीफ जस्टिस शिन्दे का कार्यकाल मात्र कुछ दिनों का ही रहेगा, वे 1 अगस्त को ही रिटायर्ड हो जाएंगे।

राजस्थान में जनसुनवाई की नई गाइडलाइंस जारी

संभागीय आयुक्त-कलेक्टर-SP करेंगे तुरंत निपटारा,SMS और कॉल से मिलेगी सूचना

हिलव्यू समाचार

जयपुर। चुनावी मोड पर आई गहलोत सरकार ने तेजी से जनसुनवाई करने का फैसला लिया है। सरकार ने नई गाइडलाइंस जारी कर सभी डिविजनल कमिश्नर, जिला कलेक्टर और जिलों के पुलिस SP को जनसुनवाई में मिलने वाले मामलों का तुरंत निपटारा करने को कहा है। प्रदेश में बड़े स्तर पर सभी जिलों में जनसुनवाई शिविर लगाए जाएंगे। शिविर प्रभारियों को कहा गया है कि सुनवाई से पहले ही मोबाइल पर SMS या वॉइस कॉल के जरिए आम लोगों को सूचना दी जाए। जिसमें जनसुनवाई की तारीख, जगह और समय की जानकारी बतानी होगी। जनसुनवाई में पहले से दर्ज मामलों की भी सुनवाई की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक अब अगले साल विधानसभा चुनाव आचार संहिता लगने से पहले तक लगातार जनसुनवाई का दौर चलेगा। सीएम, मंत्री, विधायक समय-समय पर दौरे कर जनसुनवाई कार्यक्रमों का जायजा लेंगे। इससे गवर्नेंस को लेकर ब्यूरोक्रेसी में कसावट आएगी और जनता के अटके काम निपटाए जाएंगे।

जिला, उपखण्ड, ग्राम पंचायत स्तर पर 3 स्तर की जनसुनवाई: प्रदेश सरकार ने सभी जिलों में 3 लेवल पर जनसुनवाई और एप्लीकेशंस के निपटारे के निर्देश जारी किए हैं। जन अभियोग निराकारण विभाग के प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता ने सभी डिविजनल कमिश्नर और जिला कलेक्टर्स को लैटर भेजकर वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जनसुनवाई प्रोग्राम चलाने को कहा है। जिसकी मॉनिटरिंग स्टेट लेवल पर VC के माध्यम से की जाएगी। जनसुनवाई में जनप्रतिनिधियों की भागीदारी भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

तीनों लेवल की जनसुनवाई का इंस्पेक्शन करेंगे DC-DM-SP: सभी डिविजनल कमिश्नर को कहा गया है कि वो अपने-अपने सम्भाग में होने वाली जिला स्तर, उपखण्ड और ग्राम पंचायत स्तर के जनसुनवाई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। साथ ही वे तीनों लेवल के जनसुनवाई में कम से कम एक-एक कार्यक्रम का जरूर इंस्पेक्शन करेंगे। सभी जिला कलक्टर्स, पुलिस एसपी भी जिला स्तर की जनसुनवाई के अलावा 1 ग्राम पंचायत, 1 उपखण्ड स्तर के जनसुनवाई शिविर में शामिल होंगे। जनसुनवाई में आम जनता के बैठने के लिए जरूरत के मुताबिक छाया वाली जगह, पानी की भी पूरी व्यवस्था करनी होगी। सम्पर्क पोर्टल पर पेंडिंग मामलों के शिकायतकर्ताओं को पहले ही सूचना भेजकर शिविर में सॉल्यूशन निकालने को कहा गया है। सम्पर्क पोर्टल पर निपटाए गए जिन केसों में परिवादी असंतुष्ट हैं, उनमें से भी कुछ केस फिर से रिव्यू कर उनकी सुनवाई करनी होगी।

आवासन आयुक्त को स्कॉच गोल्ड अवार्ड भेंट: आवासन मण्डल को मिल रहा सम्मान कार्मिकों की मेहनत का परिणाम: आवासन आयुक्त

हिलव्यू समाचार

जयपुर। आवासन आयुक्त पवन अरोडा ने कहा कि राजस्थान आवासन मण्डल के अधिकारियों-कार्मिकों की मेहनत एवं कार्यकुशलता का ही परिणाम है कि मण्डल को राष्ट्रीय स्तर पर एक के बाद एक निरन्तर अवार्ड एवं सम्मान प्राप्त हो रहे हैं। इससे आमजन में मण्डल की प्रतिष्ठा फिर से कायम हुई है। उन्होंने स्कॉच गोल्ड अवार्ड मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मण्डल की पूरी टीम को बधाई दी है।

अरोडा को शाम को मण्डल मुख्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मौजूदगी में मुख्य अभियन्ता प्रथम के.सी. मीणा तथा उप आवासन आयुक्त प्रतीक श्रीवास्तव ने स्कॉच गोल्ड अवार्ड भेंट किया।

उल्लेखनीय है कि स्कॉच ग्रुप ने राजस्थान को हाउसिंग सेक्टर में देश के अग्रणी राज्य के रूप में शामिल करते हुए आवासन मण्डल को उसके द्वारा अर्जित सफलताओं, कायाकल्प तथा नवाचारों के कारण यह 'गोल्ड अवार्ड' प्रदान किया है। मण्डल की ओर से मुख्य अभियन्ता श्री के.सी. मीना तथा उप आवासन आयुक्त श्री प्रतीक श्रीवास्तव ने यह अवार्ड दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित समारोह में ग्रहण किया था। इससे पूर्व मण्डल को मकान विक्रय में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्डस, नेशनल रियल एस्टेट डवलपमेंट काउंसिल द्वारा सम्मान तथा आई.बी.सी. जैसे कई अवार्ड मिल चुके हैं।

इस अवसर पर सचिव संचिता विश्नोई, वित्तीय सलाहकार संजय शर्मा, मुख्य अभियन्ता जी.एस. बाघेला एवं मनोज गुप्ता, अन्य अधिकारी तथा राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्री दशरथ कुमार सहित संघ के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

विदेश यात्रा से लौटने पर किया पवन अरोड़ा का स्वागत

राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष दशरथ कुमार और महामंत्री प्रदीप शर्मा के नेतृत्व में कर्मचारी संघ की तरफ से राजस्थान आवासन मंडल के आयुक्त पवन अरोड़ा के विदेश यात्रा से लौटने और राजस्थान आवासन मण्डल को स्कांच पुरस्कार मिलने पर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका शानदार स्वागत व अभिनन्दन किया गया।

एक नज़र

राजस्थान में होगा RSS का बड़ा सर्वे

मोहन भागवत सात दिन करेंगे कैंप, प्रांत प्रचारकों को मिलेगा टास्क

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश में विधानसभा चुनावों को लेकर सत्ताधारी और विपक्षी दोनों पार्टियों ने तैयारी शुरू कर दी है। राज्यसभा चुनाव के बाद अब RSS फिल्ड में एक्टिव हो गई है। राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पहले RSS एक बड़े सर्वे की तैयारी कर रहा है। पदाधिकारियों की माने तो चुनावी साल में संघ की ओर से जनता का फीडबैक जुटाकर BJP नेतृत्व से परामर्श किया जाता है।

लेकिन, इस बार राजस्थान में यह सर्वे और पॉलिटिकल फीडबैक जुटाने का काम जल्द शुरु किया जा रहा है। जुलाई से ही संघ और उससे जुड़े संगठनों के जरिए इस काम की शुरुआत हो जाएगी। राजस्थान में 2023 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव के लिहाज से इसे काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सर संघचालक मोहन भागवत 2 जुलाई को राजस्थान आएंगे। वे करीब सात दिन तक प्रदेश में कैंप करेंगे। इस दौरान झुंझुनूं, चूरू, जयपुर समेत कई जिलों में प्रवास का भी कार्यक्रम भी बन रहा है। बीजेपी के संगठन महामंत्री बीएल संतोष और संघ बैक ग्राउंड के कई सीनियर बीजेपी नेता भी इस दौरान भागवत से मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है कि इस बैठक में राजस्थान विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा होगी।

क्षेत्र और प्रांत से लेकर गांव और शाखा लेवल तक होगा सर्वे: बताया जा रहा है कि यह सर्वे ग्राउंड लेवल तक होगा। RSS क्षेत्र, प्रांत, विभाग, जिला, तहसील, नगर, खण्ड, मण्डल, गांव और शाखा लेवल पर बड़ा सर्वे कर जनता से पॉलिटिकल फीडबैक जुटाएगा। इसे लेकर चित्तौड़गढ़, जोधपुर और जयपुर प्रांतों में सक्रियता बढ़ गई है।

नगर कार्यवाह, मुख्य शिक्षक, घटनायक, स्वयंसेवक अपने-अपने स्तर पर लोगों की नब्ज टटोलेंगे। शाखाओं के जरिए आने वाली जानकारी के साथ ही संघ से जुड़े करीब 200 संघटनों का भी फीडबैक लिया जाएगा।

अखिल भारतीय प्रांत प्रचारकों की बैठक: RSS की अखिल भारतीय स्तर की प्रांत प्रचारक बैठक 7 से 9 जुलाई तक झुंझुनूं में होने जा रही है। इस बैठक में देशभर के सभी प्रांत प्रचारक और सह प्रांत प्रचारक हिस्सा लेने राजस्थान आएंगे। सर संघचालक डॉ मोहन भागवत, सह कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले समेत सभी सह सरकार्यवाह डॉ कृष्णगोपाल, डॉ मनमोहन वैद्य, सीआर मुकुंद, अरुण कुमार, रामदत्त और सभी कार्य विभाग प्रमुख, सह प्रमुख, अखिल भारतीय कार्यकारिणी के प्रचारक सदस्य और अलग अलग क्षेत्रों के अखिल भारतीय स्तर के संगठन मंत्री भी बैठक में मौजूद रहेंगे।

जयपुर में बना पक्षी तीर्थ... ढाई हजार पक्षी के रहने के लिए बने 1300 अपार्टमेंट

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजधानी में सांगानेर स्थित पिंजरापोल गौशाला में यह अपार्टमेंट पक्षी तीर्थ के नाम से बनाया गया है। 80 फीट की ऊंचाई पर बने इस अपार्टमेंट में छह मंजिल है। जिनमें 1300 के लगभग घरौंदेनुमा निवास स्थल हैं। इसमें एक साथ 2500 से अधिक पक्षी रह सकते हैं। यह पक्षी तीर्थ देखने में किसी बहुमंजिला अपार्टमेंट जैसा है। यहां प्राकृतिक वातावरण में पक्षी अपने परिवार के साथ सुरक्षित जीवन यापन कर सकेंगे।

इनकी पहल पर हुआ तैयार

गौशाला ट्रस्ट के राजू मंगोड़ीवाला ने बताया कि समाजसेवी गोपाल दास सौंखियां, श्याम सुंदर खटोरिया की पहल से यह पक्षी तीर्थ बनाया गया है। तीर्थ की शुरुआत करने से पहले विधिवत पूजा अर्चना की गई। इस दौरान गौशाला ट्रस्ट अध्यक्ष नारायण अग्रवाल, सचिव शिव रत्न चितलांग्या समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। घरौंदे के निर्माण में नीचे पेडस्टल बनाकर सुविधाएं विकसित की।

हर मौसम में होगा बचाव

राजू मंगोड़ीवाला ने बताया कि हर मौसम में बेजुबान परिंदे यहां आराम से रह सकेंगे। यह पक्षियों के लिए एक घर की जैसे होगा। पक्षियों के अंडे और धूप, बारिश और सर्दी से बचाव हो सकेगा। इसके पास ही छत पर दाना–पानी की व्यवस्था भी की गई है। यह देखने में बिल्कुल एक बहुमंजिला अपार्टमेंट की भांति गुलाबी रंग में नजर आएगा।

राजस्थान आवासन मण्डल को एक और अवार्ड

'राजस्थान बेस्ट एम्प्लॉयर ब्रांड अवार्ड-2022' से सम्मानित हुआ आवासन मण्डल

हिलव्यू समाचार

जयपुर। आवासन आयुक्त पवन अरोडा ने बताया कि वर्ल्ड एचआरडी कांग्रेस की ज्यूरी ने राजस्थान आवासन मण्डल को व्यवसाय के साथ-साथ कार्मिक प्रबंधन, कार्यनीति के उत्कृष्ट सम्मिश्रण, नवाचारों तथा भविष्य की चुनौतियों के लिये अपनाई गई बिजनेस प्रोसेस रि-इंजीनियरिंग तथा आमूलचूल सुधारों के लिये वर्ष 2022-23 के %राजस्थान बेस्ट एम्प्लॉयर ब्रांड अवार्ड-2022% से सम्मानित किया है।

अरोडा ने इस उपलब्धि पर मण्डल के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि कार्मिकों की मेहनत तथा सकारात्मक सोच के साथ कार्य करने से लगातार बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं। सभी के सहयोग से आवासन मण्डल निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

मण्डल की ओर से सचिव श्रीमती संचिता विश्नोई एवं उप आवासन आयुक्त श्री विजय अग्रवाल ने जयपुर के होटल रेडिसन ब्लू में बुधवार प्रातः सत्रहवीं एम्प्लॉयर ब्रांडिंग अवार्ड के जयपुर सत्र की ओर से आयोजित समारोह में यह सम्मान ग्रहण किया। मण्डल सचिव श्रीमती विश्नोई तथा श्री अग्रवाल ने इसके बाद आवासन मण्डल मुख्यालय में यह अवार्ड आवासन आयुक्त को भेंट किया। इस अवसर पर बडी संख्या में आवासन मण्डल के कार्मिक उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि बीते करीब तीन वर्षों में ही राजस्थान आवासन मण्डल को अब तक कुल 11 अवार्ड मिल चुके हैं। इनमें मकान विक्रय में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्डस, स्कॉच अवार्ड-2021, अवार्ड ऑफ एक्सीलेन्सी, नेशनल रियल एस्टेट डवलपमेंट काउंसिल द्वारा सम्मान तथा आई.बी.सी. जैसे अवार्ड शामिल हैं।

रणथम्भोर से लाए सभी टाइगर खत्म 9 में से 6 बाघों की हो चुकी मौत

सरिस्का बन रहा बाघों का श्मशान

हिलव्यू समाचार

अलवर। रणथंभोर से सरिस्का की दूरी मात्र 165 किलोमीटर है। रणथंभोर का जंगल एरिया 1334 वर्ग किलोमीटर है और सरिस्का का 881 वर्ग किलोमीटर। एक जैसा मौसम, एक जैसा जंगल और एक जैसे हालात के बावजूद रणथंभोर के टाइगरों को सरिस्का का जंगल रास नहीं आ रहा। यही वजह है कि 2008 से अब तक रणथंभोर से सरिस्का शिफ्ट किए गए 9 बाघ-बाघिन में से 6 की मौत हो चुकी है। टाइगर की उम्र आम तौर पर 18 से 20 साल मानी जाती है। लेकिन सरिस्का में बाघ कभी ट्रेंकुलाइज की ओवरडोज की वजह से मरे तो कभी गहरे जख्मों की वजह से। एक टाइगर तो लापता ही है जिसे मृत मान लिया गया है। सरिस्का में अब कुल 24 बाघ बचे हैं। इनमें 7 शावक, 7 मेल टाइगर और 10 बाघिन हैं। आइये जानते हैं कि कैसे सरिस्का का जंगल बाघों का श्मशान बन गया है। बाघिन एसटी-3 की मौत दो दिन पहले सरिस्का टाइगर

रिजर्व फॉरेस्ट में बाघिन एस-3 की मौत हुई है। इस बाघिन को रणथंभोर से यहां लाया गया था। ताकि सरिस्का का जंगल आबाद हो। इस मौत ने फिर वह सवाल खड़ा कर दिया कि क्या सरिस्का रणथंभोर के बाघों को रास नहीं आ रहा। रणथम्भोर से सरिस्का लाए गए 4 मेल टाइगर की पहले ही मौत हो चुकी है। रणथम्भोर से आए 9 टाइगर में से 6 मर चुके हैं, इनमें 4 मेल टाइगर थे। यानी अब रणथम्भोर का एक भी मेल टाइगर सरिस्का में नहीं है। रणथम्भोर से आई तीन बाघिनें एसटी-2, एसटी-9 व एसटी-10 जिंदा हैं। इनमें एसटी-2 उम्रदराज है। रणथंभोर से आए टाइगर एसटी-1, एसटी-4, एसटी-6 और एसटी-16 की मौत हो चुकी है।

26 करोड़ के घोटाले के दस्तावेज 'खाक'

सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक में आग से शक, करप्शन के सबूत थे टारगेट!

हिलव्यू समाचार

भरतपुर। भरतपुर शहर के बिजली घर चौराहे पर द भरतपुर सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक में शनिवार दोपहर आग लग गई। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। आग कैसे लगी यह जांच का विषय है। लेकिन चौंकाने वाली बात ये है कि इसी बैंक में 26 करोड़ का घोटाला हुआ था, जिसकी जांच चल रही थी। बैंक की आग में जरूरी दस्तावेज खाक हो गए हैं। ऐसे में शक है कि आग लगी या फिर लगाई गई।

अवकाश के कारण बैंक बंद था। रविवार का भी अवकाश है। ऐसे में आग से साजिश की बू आ रही है। आज आग लगी तो लोगों ने बैंक कर्मचारियों को फोन कर सूचना दी। बैंक के कर्मचारी और अधिकारी मौके पर पहुंचे। दमकल की तीन गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया। ,ष्ठरू स्ष्ठरू और पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

रिकॉर्डरूम में लगी आग: बैंक के सीनियर मैनेजर विकास कुमार जैन ने बताया कि बैंक के रिकॉर्ड रूम में आग लगी थी। कैश और बाकी के सभी कागजात सुरक्षित हैं। रिकॉर्ड रूम में रखे कागजात जल गए हैं। यह पता नहीं लग पाया है कि कितने का नुकसान हुआ है। आग के कारण भी पता नहीं लग पाए हैं।

बैंक में घोटाले का क्या है मामला: भरतपुर के सेंट्रल को ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड में 26 करोड़ का घोटाला हुआ था जिसकी जांच चल रही है। घोटाला किसानों के कर्ज माफी के बदले सरकार की ओर से दी गई रकम में किया गया था। बैंक के अधिकारियों ने ऋण खातों में उस राशि को जमा कराने के बजाय बचत खातों में जमा करा दिया व रुपए हड़प लिए। इस घोटाले की जांच की गई तो चार अधिकारियों को निलंबित भी किया गया। जांच कमेटी के सामने आया था कि एक सोसाइटी में एक ही एंट्री के साथ 62 लाख रुपए जमा कराए गए थे। ऐसा करने की वजह क्या थी इसका जवाब न तो खाताधारक के पास था और ना ही बैंक अधिकारियों के पास।

आज भी बकाया चल रही है ऋण राशि: भाजपा सरकार ने वर्ष 2018 में किसानों का 50 हजार तक और फिर 2019 में कांग्रेस सरकार ने सभी अल्पकालीन फसली ऋण माफ किए थे। किसानों के कर्ज माफी की घोषणा के बाद यह राशि राज्य सरकार ने अपेक्स बैंक उपलब्ध कराई थी। फिर अपेक्स बैंक के जरिए यह धनराशि सभी केंद्रीय सहकारी बैंकों की शाखाओं को भेज दी गई थी। भरतपुर सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक के अधिकारियों ने यह राशि ऋण खाते में जमा न कर बचत खाते में जमा करा ली थी। यही वजह है कि आज भी ऋण खातों में राशि बकाया चल रही है।

क्या कहना है अधिकारियों का: अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट रघुनाथ खटीक ने बताया कि सूचना मिली थी कि सेंट्रल को ऑपरेटिव बैंक में आगजनी हो गई है। आग कैसे लगी इसके कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच की जाएगी।

जयपुर में गर्लफ्रेंड के घर आए फौजी ने किया सुसाइड

जयपुर। जयपुर में गर्लफ्रेंड के घर पर फंदा लगाकर रविवार रात एक फौजी ने सुसाइड कर लिया। सोमवार सुबह घर लौटी गर्लफ्रेंड को फौजी बायफ्रेंड फंदे से लटका मिला। सांगानेर थाना पुलिस ने स्नस्रु टीम की मदद से मौके से सबूत जुटाए। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को महात्मा गांधी हॉस्पिटल की मॉच्यूरी में रखवाया है। पुलिस ने मृतक के पास किसी प्रकार का सुसाइड नोट मिलने की बात से इंकार किया है।

SHO हरिसिंह दूधवाल ने बताया कि मृतक मुकेश मीणा (31) पुत्र मामराज शाहपुरा के बागवास का रहने वाला था। वह बिहार एसएसबी में ड्राइवर की पोस्ट पर था। रविवार को छुट्टी लेकर वह सांगानेर स्थित मारुति नगर में रहने वाली गर्लफ्रेंड के घर आया था। देर शाम किसी बात को लेकर दोनों में झगड़ा हो गया। झगड़े के दौरान गर्लफ्रेंड अपनी सहेली के घर सोने चली गई। गर्लफ्रेंड के कमरे पर देर रात फंदा लगाकर फौजी मुकेश मीणा ने सुसाइड कर लिया। सोमवार सुबह सहेली के घर से लौटी। कमरे में अंदर घुसी तो बॉयफ्रेंड मुकेश फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने FSL टीम की मदद से सबूत जुटाए। एम्बुलेंस की मदद से शव को पोस्टमार्टम के लिए महात्मा गांधी हॉस्पिटल की मॉच्यूरी भिजवाया।

घरवालों को भी बोला था झूठ: SHO हरिसिंह ने बताया कि मृतक मुकेश के परिजनों का कहना है कि उन्हें 5 जुलाई को छुट्टी मिलने पर आने की कहा था। मूलतः सवाई माधोपुर निवासी उसकी गर्लफ्रेंड यहां रहकर कॉम्पिटिशन एग्जाम की तैयारी कर रही है।

कचरा से भरा ट्रक लेकर नगर निगम ऑफिस पहुंचे पार्षद

कचरा नहीं उठने से परेशान पार्षद ने जताया विरोध, ऑफिस के सामने फेंका कचरा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर में कचरा संग्रहण और सफाई की व्यवस्था की खराब व्यवस्था से आमजन से लेकर जनप्रतिनिधि तक सब परेशान है। जयपुर नगर निगम ग्रेटर के वार्ड 134 में पिछले 10 दिन से ज्यादा समय से कचरा कलेक्शन की गाड़ियां नहीं आ रही। इससे नाराज होकर वार्ड के पार्षद करण शर्मा ने आज कचरे से भरा ट्रक लाकर नगर निगम ऑफिस के बाहर खाली कर दिया। इस मौके पर 10-15 लोग भी पार्षद के साथ पहुंचे और वहां नगर निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे।

पार्षद शर्मा ने बताया कि पिछले 10 दिन से ज्यादा समय हो गया, लेकिन नगर निगम की गाड़ियां कचरा उठाने वार्ड में नहीं आ रही। लोग तो परेशान है ही, साथ ही वार्ड में जगह-जगह ओपन कचरा डिपो भी

भर गए है। बारिश का समय चल रहा है और कचरा गीला होने से भयंकर बदबू आने लगी है, जिससे वहां से आने-जाने वालों लोगों को भी परेशानी होती है। कई बार मालवीय नगर जोन उपायुक्त और स्वास्थ्य उपायुक्त को फोन करके शिकायत भी कर दी, लेकिन कोई सुनवाई करने वाला नहीं है।

खुद पिकअप चलाकर पहुंचे निगम ऑफिस: वार्ड में सफाई नहीं होने से खफा पार्षद ने एक पिकअप किराये पर मंगवाई और उसमें कचरा भरकर खुद चलते हुए नगर निगम के मालवीय नगर जोन ऑफिस पहुंचे। यहां उनके साथ आए एक दर्जन से ज्यादा लोगों ने पहले तो नारेबाजी की, उसके बाद पार्षद ने पिकअप की बॉडी में रखा कचरा जोन ऑफिस के बाहर ही खाली कर दिया। उन्होंने निगम अधिकारियों को चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही वार्ड में सफाई व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो अगली बार एक नहीं बल्कि 5-7 गाड़ियां में कचरा लेकर यहां पहुंचेंगे।

बीवीजी कंपनी ने बंद किया काम: इधर नगर निगम प्रशासन ने शहर से कचरा उठाने वाली बीवीजी कंपनी से अनुबंध खत्म कर दिया। अभी तक बीवीजी कंपनी नगर निगम ग्रेटर के 7 में से 3 जोन सांगानेर, मानसरोवर और मालवीय नगर जोन में काम कर रही है। कंपनी ने इन जोन में भी काम करना बंद कर दिया है। अब नगर निगम के पास पर्याप्त हूपर (कचरा उठाने वाली गाड़ियां) नहीं है, जिसे लगाकर खुद के स्तर पर कचरा संग्रहण करवाया जा सके।

नेट-थियेट कार्यक्रमों की 100वीं श्रृंखला

ईश्वर दत्त ने ढूंढाड़ के लोक गीतों की छटा बिखेरी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। नेट-थियेट कार्यक्रमों की 100वीं श्रृंखला में ढूंढाड़ अंचल के प्रचलित और लोकप्रिय लोक गीतों की अविरल बयार बही। प्रसिद्ध लोकगीत नाका दो जोड़ी का मोडाला, चाले क्यू ना खेत में करेला तोडांला ने ढूंढाड पूरा संस्कृति को फिर से जन-जन तक पहुंचाया।

नेट-थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि लोक गायक , रंगकर्मी और लोक कलाओं के मुखर कलाकार ईश्वर दत्त माथुर में ढूंढाड़ अंचल में गाए जाने वाले लोकप्रिय ढूंढाड़ गीतों को गाकर पुरानी संस्कृति की याद ताजा की। माथुर ने सर्वप्रथम गणेश जी को मनाकर कार्यक्रम की शुरू किया। उसके बाद मुगों बोलगो पटेलण झट जाग तो सरी सुणाया तो दर्शन वाह-वाह कर उठे द्य ढूंढाडी लोकगीत मेथी को तो ब्याव रचो छ करेला जी बींद बन आया के बाद हिचकी, मोरिया, चाव चाव में भूल गई फूलां की साड़ी जैसे लोकप्रिय गीतों से ऑन लाइन जुड़े दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। साथ लोक गायक ईश्वर माथुर ने अपनी पुरकशिश आवाज में लोक भजन सुनाकर मंत्रमुग्ध किया।

इनके साथ वीरेंद्र सिंह उर्फ नगीना के ढोलक की थाप, तबले पर श्री नवल डांगी की तिहाई, हारमोनियम पर शेर खान की सरगम, वायलिन पर गुलजार हुसैन के तारो की खनक और मजीरे पर गिरधारी शर्मा की झनक असरदार संगत ने ऐसा माहौल बनाया की लोग लोकगीतों की बयार में बह गये। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध उद्घोषक प्रिंस रूबी ने किया। कैमरा संचालन जितेन्द्र शर्मा, प्रकाष मनोज स्वामी, संगीत संचालन विष्णू जांगिड़, मंच सज्जा घृति शर्मा, सौरभ कुमावत, अंकित शर्मा नोनू और जीवितेश शर्मा का रहा।

मनीष शर्मा बने वर्ल्ड एनजीओ एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष

जयपुर। वर्ल्ड एनजीओ एसोसिएशन (डब्ल्यूएनए) के अध्यक्ष और भारत सरकार के सलाहकार रामकुमार वालिया ने जयपुर निवासी मनीष शर्मा को राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस नियुक्ति से प्रदेश के एनजीओ संचालको में खुशी की लहर है । इस अवसर पर नमो संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार, रेज फॉर स्माइल फाउंडेशन के महासचिव गोपाल रैगर, अपर्णा संस्थान के सचिव आर के कुरैशी उपस्थित रहे।

106 का तहसीलदार एवं कार्य व्यवस्थार्थ तहसीलदार के रूप में पदस्थापन

जयपुर। राजस्व मंडल की ओर से तहसीलदार, कार्य व्यवस्थार्थ तहसीलदार, नायब तहसीलदार संवर्ग एवं अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी संवर्ग से कार्य व्यवस्थार्थ तहसीलदार के रूप में 106 जनों के पदस्थापन किए गए हैं। मंडल निबंधक महावीर प्रसाद ने बताया कि इनमें 90 तहसीलदार व कार्य व्यवस्थार्थ तहसीलदारों, 11 नायब तहसीलदार संवर्ग से कार्य व्यवस्थार्थ तहसीलदार तथा 5 को अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी संवर्ग से कार्य व्यवस्थार्थ तहसीलदार के पद पर पदस्थापित किया गया है। इसी प्रकार दो अधिकारियों को पदस्थापन आदेश की प्रतीक्षा में रखा जाकर मुख्यालय राजस्व मंडल अजमेर निर्धारित किया गया है। पदस्थापन आदेश राजस्व मंडल की वेबसाइट पर देखे जा सकते हैं।

बिजली कटौती बंद, राहतों की बारिश...

9 करोड़ यूनिट से ज्यादा बिजली खपत घटी, औसत डिमांड से 1700 मेगावाट पावर ज्यादा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान में पिछले 4 दिन से जारी प्री-मॉनसून की बारिश से बिजली संकट से बड़ी राहत मिली है। बारिश के कारण मौसम सुहाना होने और ठंडी हवाएं चलने से बिजली की डिमांड में बड़ी गिरावट आई है। जिसके चलते अब घोषित-अघोषित बिजली कटौती भी बंद कर दी गई है। प्रदेश में कहीं भी पावर कट के आदेश नहीं दिए गए हैं। राजस्थान में प्रतिदिन 32 करोड़ यूनिट तक पहुंच चुकी बिजली खपत घटकर 22.82 करोड़ यूनिट रह गई है। 9 करोड़ 18 लाख यूनिट से ज्यादा बिजली खपत में कमी आने से राजस्थान डिस्कॉम, उत्पादन, ऊर्जा विकास और प्रसारण निगमों के साथ आम उपभोक्ताओं को राहत मिली है। राजस्थान में पीक आवर्स में बिजली की डिमांड 10718 मेगावाट और औसत डिमांड 9510 मेगावाट रिकॉर्ड हुई है। जबकि बिजली की उपलब्धता 11202 मेगावाट है। औसत डिमांड से 1692 मेगावाट बिजली ज्यादा हो गई है।

2 से 4 घंटे की बिजली कटौती से जनता को राहत: पिछले सप्ताह बिजली की पीक लोड डिमांड 15429 मेगावाट तक पहुंच गया था। जबकि प्रतिदिन खपत 32 करोड़ यूनिट तक हो गई थी। कुल उपलब्ध बिजली के मुकाबले 2600 मेगावाट से 3000 मेगावाट तक बिजली की कमी का सामना करना पड़ रहा था। जिसके चलते घोषित-अघोषित तौर पर बिजली कटौती, अनप्लांड शटडाउन, लोड शेडिंग कर पावर काटी जा रही थी। 2 से 4 घंटे तक बिजली कटौती का सामना उपभोक्ताओं को करना पड़ा। ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्र सबसे ज्यादा कटौती से परेशान हुए। अब उस कटौती से राहत मिली है।

बारिश से राहतें: प्री-मॉनसून की बारिश से इंडस्ट्री, कॉमर्शियल, घरेलू और कृषि-सिंचाई सभी तरह के बिजली कनेक्शन का पावर लोड घटा है। सिंचाई के लिए कुदरती पानी बरसने से बड़ी राहत मिली है। शहरी इलाकों में एसी, कूलर और कूलिंग प्लांट बड़े स्तर पर बंद हुए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी पंखे-कूलर और ट्यूबवेल,पम्प बंद हुए हैं। कुदरती ठंडक होने से घरों में बिजली खपत घटने से बिजली बिल भी घटेगा। बिजली उत्पादन निगम और ऊर्जा विकास निगम को पावर मैनेजमेंट से बड़ी राहत मिली है। अब एक्सट्रा बिजली मौजूद है।

मॉनसून सीजन में बढ़ सकता है कोयला-बिजली संकट

प्री-मॉनसून की बारिश एक-दो दिन जारी रह सकती है। इसके बाद 5-7 दिन मौसम साफ रह सकता है और बिजली की डिमांड में फिर से बढ़ोतरी होगी। मॉनसून आने पर बिजली की डिमांड में जरूर कमी आएगी।लेकिन इस दौरान कोयला माइंस में पानी भरने पर कोयला सप्लाई डिस्टर्ब हो सकती है। जिसका नैगेटिव असर बिजली प्रोडक्शन पर पड़ सकता है। राजस्थान के थर्मल पावर प्लांट्स पर औसत 8 से 9 दिन का कोयला बचा है। प्रदेश सरकार ने छत्तीसगढ़ माइंस और कोल इंडिया के अलावा विदेशी कोयला मंगवाकर ज्यादा से ज्यादा कोयला स्टॉक करने की प्लानिंग शुरु की है। प्रदेश को फिलहाल 19-20 रैक कोयला प्रतिदिन मिल पा रहा है। जबकि जरूरत 26 रैक प्रतिदिन की है। ऐसे में आने वाले वक्त में बिजली संकट गहरा सकता है। समय रहते कोयला मैनेजमेंट कर 2 से 3 महीने का कोयला स्टॉक रखना अब जरूरत बन गया है। वरना पिछले साल मॉनसून के दौरान बने बिजली संकट के हालात फिर पैदा हो सकते हैं।

जेकेके में हरिजस की गूंज, मंत्र मुग्ध हुए लोग, लोक गायिका भंवरी देवी व साथियों ने दी प्रस्तुति

मन्दिर जाती मीरा ने सांवरियो मिल गयो रे, गिरधर कामण कर गयो रे'

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। जवाहर कला केंद्र में 26 जून को लोक संगीत की जाजम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत लोक गायिका भंवरी देवी व उनके साथियों ने हरिजस की प्रस्तुति दी। भंवरी देवी के श्रीमुख से जैसे ही सुरीली आवाज में राजस्थानी भजनों के बोल निकले तो भक्ति की बयार बह उठी। लोग भजन सुनकर इतना मंत्र मुग्ध हो उठे कि उन्होंने ईश्वर से सीधा जुड़ाव महसूस किया। लोक कला के संरक्षण और शहरवासियों को दिव्य आध्यात्मिक शांति देने के उद्देश्य से जेकेके व जाजम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अलसुबह जुटने लगे लोग: अलसुबह जब अधिकतर लोग नींद से जागे भी नहीं थे तभी हरि भजन प्रेमी व लोक कला के प्रति लगाव रखने वाले शहरवासी जेकेके में जुटने लगे। तय समय सुबह 7 से 8 के बीच भंवरी देवी ने भजनों की प्रस्तुती दी। उन्होंने कुल 10 भजन गाए। इनमें सोहन लाल लोहागर रचित कुण जाने आ माया श्याम की अजब निराली रे, मीरा बाई द्वारा रचित मन्दिर जाती मीरा ने सावरियो मिल गयो रे, थारे घट में बिराजे भगवान और भजना सूं लागे मीरा मीठी आदि शामिल है। जेकेके की ओर से सभी कलाकारों को भेंट प्रदान की गयी।

कम उम्र में टूटी जोड़ी: लोक गायिका भंवरी देवी किसी परिचय की मोहताज नहीं है। उन्होंने राजस्थानी संगीत को ऊंचाई तक पहुँचाया है। जीवन में आने वाली समस्त कठिनाईयों के बावजूद उन्होंने गाना नहीं छोड़ा। भंवरी देवी बहुत छोटी थी तभी उनकी माँ का देहांत हो गया। उन्होंने बचपन में अपने पिता से गाना सीखा। छोटी उम्र में ब्याह कर ससुराल पहुँची भंवरी देवी ने बाद में अपने पति के संग गाना शुरू किया। मिली जानकारी के अनुसार भोपा जाति की गायिकाएं अपने पति के संग ही

गायन करती हैं। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। कम उम्र में ही भंवरी देवी के पति का स्वर्गवास हो गयाा। वे अपने पीछे भंवरी देवी और छह बच्चों को छोड़ गए थे।

नहीं झुका भंवरी देवी का हौंसला: इसके बाद भंवरी देवी ने कुछ समय के लिए गायन छोड़ दिया। किस्मत के फैसलों के आगे भी भंवरी देवी का हौंसला नहीं झुका। उन्होंने अपने बच्चों को संगीत की शिक्षा देना शुरू किया। लगभग पॉच से आठ साल की उम्र के अपने बड़े बेटे कृष्ण कुमार को साथ लेकर उन्होंने फिर मंच की ओर कूच की और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। भंवरी देवी व उनके साथी देश-विदेश में प्रस्तुति देते हैं। भंवरी देवी ने बताया कि आने वाली पीढ़ी तक हमारी संस्कृति को पहुँचाने के लिए लोक गीतों के गायन को बढ़ावा देना जरूरी है। अगर कोई उनसे सीखना चाहेगा तो वे हमेशा तैयार रहेंगी।

...वरना लुप्त हो सकती है परंपरा: जाजम फाउंडेशन के निदेशक विनोद जोशी ने कहा कि यदि आने वाली पीढ़ी को लोक गीत सुनने का अवसर नहीं दिया गया तो मौखिक परंपरा होने के कारण ये लुप्त हो सकती है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में विभिन्न जातियों से आने वाले कलाकार प्राचीन काल से गायन कर रहे हैं। इन्हें बढ़ावा देने के लिए लोक संगीत की जाजम के तहत ऐसे कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाएंगे।

3डी तकनीक

जॉइंट रिप्लेसमेंट में सटीक अलाइमेंट देने में कारगर

3डी तकनीक द्वारा नी रिप्लेसमेंट सर्जरी का बढ़ रहा ट्रेंड

हिलव्यू समाचार

जयपुर। उम्र के साथ रमेश कुमार को घुटनों में आर्थराइटिस की बीमारी ने घेर लिया था। जैसे-जैसे बीमारी बढ़ती गई, उनकी सीमितताएं भी बढ़ती चली गईं और एक समय आया जब उनका जीवन बिस्तर पर सिमट गया था। उन्होंने जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के बारे में सुना तो था लेकिन सर्जरी के डर के कारण इलाज को टालते गए। लेकिन जब 3डी तकनीक से होने वाली जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के बारे में उन्हें जानकारी मिली तो उन्होंने अपने डॉक्टर से इस बारे में परामर्श लिया और नई तकनीक से रिप्लेसमेंट सर्जरी कराई। उन्हें न सिर्फ इसके परिणाम बेहतर मिले, बल्कि तेज रिकवरी और जल्दी अपनी दिनचर्या में वापस लौटने में भी मदद मिली।

क्या होती है 3डी तकनीक नी रिप्लेसमेंट: राजस्थान हॉस्पिटल के सीनियर जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. एसएस सोनी ने बताया कि सामान्य जॉइंट रिप्लेसमेंट की तरह इसमें भी मरीज को कृत्रिम जोड़ लगाए जाते हैं लेकिन इस तकनीक से मदद से सर्जरी के परिणाम कई गुना बेहतर हो जाते हैं। इस तकनीक में मरीज के घुटनों का सीटी स्कैन कर उसका 3डी मॉडल तैयार किया जाता है। सर्जरी से पहले एक्सपर्ट कंप्यूटर सॉफ्टवेयर की मदद से हड्डी और जोड़ की स्पष्ट स्थिति समझी जाती है। इससे सर्जरी की प्लानिंग में बहुत मदद मिलती है। सर्जरी के दौरान जब नए कृत्रिम जोड़ इंप्लांट किये जाते हैं तो कृत्रिम जोड़ उनमें अच्छे से फिट हो जाते हैं और उसके आस-पास के कार्टिलेज या अन्य मांसपेशियों का भी बेहतरीन संतुलन बना रहता है।

नई तकनीक के कई फायदे

छोटा चीरा: सामान्य रिप्लेसमेंट सर्जरी में मरीज को 10 से 12 इंच का बड़ा चीरा लगाया जाता है जबकि 3डी मॉडल पर पहले ही सर्जरी प्लान कर लिया जाता है। इससे लगने वाला चीरा बहुत छोटा हो जाता है और रक्तस्राव भी कम होता है।

तेज रिकवरी: सर्जरी के बाद मरीज की रिकवरी भी तेज होती है और अस्पताल से भी जल्दी डिस्चार्ज कर दिया जाता है।

सर्जरी में कम समय: 3डी घुटने इमेजिंग तकनीक रोबोटिक सर्जरी की तुलना में अधिक सस्ती है और पारंपरिक पद्धति से भी कम समय भी लेती है। रिप्लेसमेंट सर्जरी की पहले से समीक्षा की जाती है। इस वजह से ऑपरेशन करने का समय न्यूनतम हो जाता है और संक्रमण का जोखिम भी कम हो जाता है।

सटीक अलायमेंट: 3डी तकनीक से जॉइंट रिप्लेसमेंट होने से घुटनों का अलायमेंट सटीक होता है और जोड़ों पर दबाव कम होता है। जोड़ों के ढीले पड़ने का खतरा भी कम हो जाता है। इससे कृत्रिम जोड़ लंबे समय तक चलते हैं और रीविजन सर्जरी की नौबत नहीं आती है।

जेकेके में हुआ ग़ज़ल संध्या का आयोजन

सुरों से रोशन हुई शाम ए ग़ज़ल

जयपुर के जावेद हुसैन ने बाँधा समां

हिलव्यू समाचार

जयपुर। विश्व संगीत दिवस की संध्या पर मंगलवार 21 जून को जवाहर कला केन्द्र द्वारा रंगायन सभागार में शाम ए ग़ज़ल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जयपुर के ग़ज़ल ल गायक जावेद हुसैन ने अपनी आवाज के जादू से इस खास कार्यक्रम में समा बाँधा। शाम ए ग़ज़ल ल में जावेद ने प्रसिद्ध ग़ज़ल ल गायक जगजीत सिंह, पंकज उधास, तलत अजीज, उस्ताद अहमद हुसैन, मेहंदी हसन, लता मंगेशकर, गुलाम अली साहब की गायी हुई ग़ज़ले लें पेश की जिन्हें सुनकर श्रोता झूम उठे।

बही प्रेम की बयार...: पंकज उधास की ग़ज़ल-आप जिनके करीब होते हैं, वो बड़े खुशनसीब होते हैं के साथ जैसे ही कार्यक्रम का आगाज हुआ तो सभागार में

मौजूद लोग रोमांचित हो उठे। इसके बाद जावेद की ओर से जगजीत सिंह की ग़ज़ल-होठों से छू लो तुम मेरा गीत अमर कर दो को छेड़ते ही प्रेम की बयार बह उठी।

जावेद व अनुराधा की जोड़ी ने बिखेरी खुशबू...: ग़ज़लों की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए मेहंदी हसन की ग़ज़ल रंजिश ही सही... गुलाम अली की ग़ज़ल कच्ची दीवार हूं ठोकर न लगाना मुझको, पेश की गयीं। जावेद हुसैन और अनुराधा कडेल की जोड़ी ने ग़ज़ल संध्या में तलत अजीज एवं लता मंगेशकर की गायी ग़ज़ल-फिर छिड़ी रात फूलों की...गाकर सुरों की खुशबू बिखेरी। कार्यक्रम में सितार पर हरिहरन शरण भट्ट, वायलिन पर मनभावन डांगी, गिटार पर बिलाल हुसैन, तबले पर मेहराज हुसैन, बोर्ड पर रहबर हुसैन ने गीतों में ताल दी। जावेद की आवाज में जगजीत सिंह, चित्रा सिंह द्वारा गायी ग़ज़ल-ये शोहरत भी ले लो और पंकज उधास की गायी मशहूर ग़ज़ल चांदी जैसा रंग है तेरा सोने जैसे बाल...के साथ ग़ज़ल संध्या का समापन हुआ।

संगीत के बिना जीवन अधूरा है...: जावेद हुसैन संगीत से ताल्लुक रखने वाले परिवार से आते हैं। सुर और ताल के बीच में ही उनकी परवरिश हुई है। बॉलीवुड मूवी वीर जारा के गीत आया तेरे दर पर दीवाना समेत अन्य एलबम व गानों में उन्होंने अपनी आवाज दी है। जावेद को राजस्थान संगीत रत्न, संगीत संचार, राजस्थान गौरव समेत अन्य सम्मानों से नवाजा जा चुका है। जावेद ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन कर जेकेके संगीत को बढ़ावा देने के साथ ही उसकी सेवा भी कर रहा है। इससे संगीत तक लोगों की पहुँच बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि संगीत के बिना जीवन अधूरा है। कोरोना के कारण कलाकारों के चेहरों पर छायी मायूसी की धुंध भी ऐसे कार्यक्रमों से ही छटेगी।

सच-झूठ का मनोविज्ञान भी अज़ब

एक शोध में दावा किया गया है कि हर आदमी अपने जीवनकाल में झूठ जरूर बोलता है। कुछ लोग आदतन तो कुछ डींगे हांकने के लिए झूठ के मायाजाल में फंसे रहते हैं। कई लोग डरकर तो कई कुछ राज छुपाने के लिए झूठ बोलते हैं। कुछ किसी को बचाने के लिए, तो कुछ फंसाने के लिए झूठ का सहारा लेते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि सच और झूठ का विज्ञान बड़े गजब की चीज है।

डाका डालने से आसान

हारवर्ड यूनिवर्सिटी में नीतिशास्त्र पढ़ाने वाली सिसेला बोक मानती हैं कि किसी का पैसा या संपत्ति हासिल करने के लिए डाका डालने या सिर फोड़ने से तो ज्यादा आसान है झूठ बोलना।

यह न करें

हम झूठ सच को छुपाने के नीयत से बोलते हैं। सच हमारे बर्दाश्त से बाहर होता है और इसलिए झूठ बोलते हैं। हम अपने बच्चों से अपेक्षा रखते हैं की वो सच बोलें पर स्वयं उनके सामने झूठ बोलते हैं। काफी जगह हम झूठ बोलने को मजबूरी का नाम देते हैं। ये गलत है। ऐसा ना करें।

दावा

वैज्ञानिक बोले, झूठ हमारे विकास का भी हिस्सा

हर इंसान जीवन में कभी न कभी जरूर बोलता है 'झूठ'

बच्चे बेहतर तरीके से झूठ बोल पाते हैं

माताएं भी बच्चों को खिलाने के लिए अक्सर झूठ का सहारा लेते देखी जाती हैं

साइंस डेस्क

चाहे कोई कितने ही सच बोलने का दावा करे तब भी आदतन वह रोजाना एक से दो झूठ बोल ही देता है। कुछ सज्जन या सिद्ध लोग जो दावा करते हैं कि उन्होंने कभी झूठ नहीं बोला वे भी अपने जीवनकाल में झूठ का सहारा जरूर लेते हैं। ऐसा एक शोध में दावा किया गया है। हालांकि यह झूठ किसी को नुकसान पहुंचाने या गलत इरादे से नहीं बोला जाता। वैसे सच और झूठ का मनोविज्ञान भी गजब की चीज है। क्या झूठ हमारे विकास का हिस्सा भी रहा है।

ऐसी भी क्या आफत

हम झूठ क्यों बोलते हैं, ऐसी क्या आफत है कि दिन में एक या दो बार झूठ बोले बिना हमारा काम ही नहीं चलता। कुछ लोग तो इतना आदतन झूठ बोलते हैं कि जहां सच से काम चल जाए, वहां भी उनके मुंह से झूठ ही निकलता है। वैसे झूठ बोलने की अनिवार्यता के बारे करीब दो दशक पहले कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के सामाजिक मनौविज्ञान पढ़ाने वाले प्रोफेसर बेला डे पॉलो ने अलग तरीके से स्पष्ट किया। फिर इसे दस्तावेज के तौर पर पेश भी किया।

ज्यादातर झूठ नुकसान पहुंचाने वाले नहीं

पॉलो और उनके साथियों ने 147 व्यस्कों से कहा था कि वह लिखे कि हर हफ्ते उन्होंने कितनी बार किसी से झूठ कहा। सर्वे में सामने आया कि हर व्यक्ति ने दिन में औसतन एक या दो बार झूठ बोला। इनमें से ज्यादातर झूठ किसी को नुकसान पहुंचाने वाले नहीं थे, बल्कि उनका उद्देश्य अपनी कमियां छुपाना या दूसरों की भावनाओं को बचाना था।

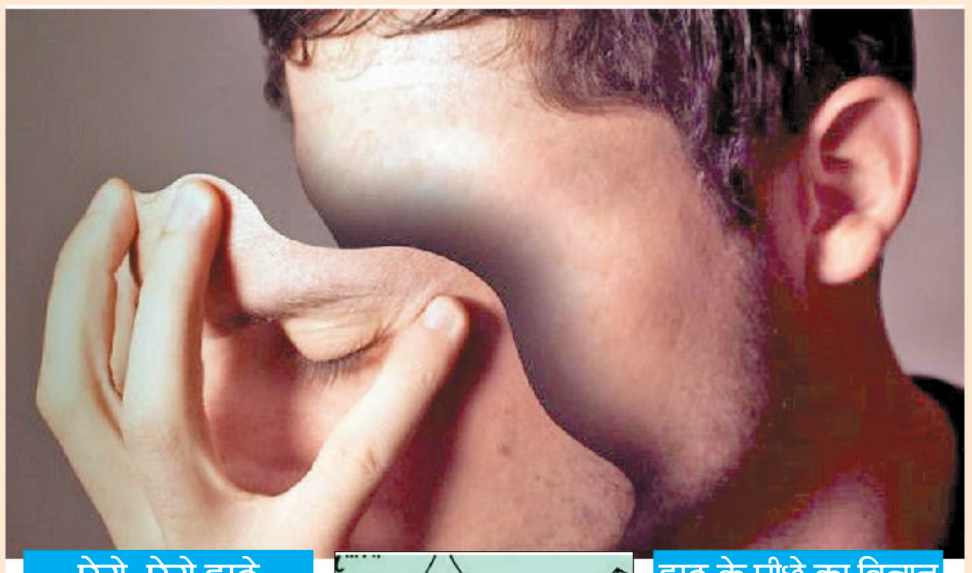

ऐसे-ऐसे झूठे

एक और स्टडी में पॉलो ने पाया कि ज्यादातर ने किसी मौके पर एक या एक से ज्यादा बार बड़े झूठ भी बोले हैं। जैसे शादी के बाहर किसी रिश्ते को छुपाना और उसके बारे में झूठ बोलना। कुछ लोग आदतन तो कुछ डींगे हांकने के लिए झूठ के मायाजाल में फंसे रहते हैं। कई लोग डरकर तो कई कुछ राज छुपाने के लिए झूठ बोलते हैं। कुछ किसी को बचाने के लिए, तो कुछ फंसाने के लिए झूठ का सहारा लेते हैं।

झूठ के पीछे का विज्ञान

बचपन में हम सबने सुना होगा कि झूठ बोलना पाप है, नदी किनारे सांप है। इसके बावजूद हम झूठ से परहेज नहीं करते, क्योंकि कहीं न कहीं यह हम इंसानों के डीएनए का हिस्सा है। इस पर नेशनल जियोग्राफिक में भी इसके पीछे छिपे विज्ञान को समझने की कोशिश की। इसके मुताबिक इंसानों में झूठ बोलने की प्रतिभा नई नहीं है। शोध बताता है कि भाषा की उत्पत्ति के कुछ वक्त बाद ही झूठ बोलना हमारे व्यवहार का हिस्सा बन गया।

ज्यादा आसानी से हो जाते हैं काम

संसाधनों की रस्साकशी में बिना किसी ताकत और जोर जबरदस्ती के लोगों से चालाकी से काम निकलवाना ज्यादा कारगर है और यह झूठ का रास्ता अपनाने पर आसानी से हो पाता है। यह जानवरों की अपनाई जाने वाली रणनीतियों से काफी मिलता जुलता है।

कुछ हम स्वीकार कर लेते हैं

दिलचस्प बात यह है कि कुछ झूठ की सच्चाई जानते हुए भी हम उस पर यकीन करते हैं। इससे हमारी दूसरों को धोखा देने की और हमारी खुद की धोखा खाने की प्रवृत्ति दिखाई देती है, खासतौर पर सोशल मीडिया के युग में यह बात गौर करने लायक है। बतौर समाज हमारी सच और झूठ के बीच फर्क करने की क्षमता खतरे में है। अगर सोशल मीडिया की ही बात करें तो शोध के मुताबिक हमें उस झूठ को स्वीकारने में तनिक संकोच नहीं होता जो हमारी ही सोच को और मजबूत करती है।

वो झूठ जिसे हम मानने से मना नहीं करते

आमतौर पर जब नेता दावा करते हैं कि उनकी रैलियों और सभाओं में ऐतिहासिक भीड़ जमा हुई है, तो उनके समर्थकों ने इसे बगैर जांच किए स्वीकार कर लेते हैं। बाद में पता लगता है कि उन्होंने जिन तस्वीरों के जरिए ये दावा किया, वो तो फोटोशॉप्ड थीं। बावजूद इसके हम उसे झूठ मानने से इंकार करते हैं क्योंकि वह बता कहीं न कहीं हमारे बने बनाए विचारों का समर्थन करती है।

तो मानते हैं बकवास

जॉर्ज लैकऑफ, कैलिफोर्निया यूनविर्सिटी, बर्कले में भाषाविद् हैं। वो कहते हैं कि अगर कोई तथ्य सामने रखे। वो आपकी सोच में फिट न हो, तो या तो आप उसे अनदेखा करेंगे या फिर उसे बकवास बताने लगेंगे।

क्या है झूठ हमारे विकास का हिस्सा?

वैसे जानकार मानते हैं कि झूठ बोलने की आदत, हमारी विकास का वैसा ही हिस्सा है जैसे कि चलना, फिरना, बोलना। हालांकि झूठ बोलने को ही कहीं न कहीं मासूमियत खोने की शुरूआत माना जाता है। मनोवैज्ञानिक तो यह भी कहते हैं कि बच्चे का झूठ बोलना इस बात का संकेत है कि उसका ज्ञान संबंधी विकास पटरी पर है। उम्र के साथ बच्चे बेहतर तरीके से झूठ बोल पाते हैं।

थ्योरी ऑफ माइंड

झूठ बोलने के दौरान दूसरे पक्ष के दिमाग, उसकी सोच को समझने के तरीके को थ्योरी ऑफ माइंड कहा गया है। बच्चों के झूठ में धीरे धीरे इस थ्योरी का असर दिखाई देने लगता है। जब वह यह सोचकर झूठ बोलते हैं कि ऐसा बोलने पर मम्मी क्या सोचेंगी और इसलिए इसे किसी दूसरे तरीके से कहा जाए तो बेहतर होगा। इसके अलावा यह बताने की जरूरत तो है नहीं कि झूठ बोलने के लिए कितनी योजना और आत्म संयम की जरूरत पड़ती है।

सोचने की क्षमता रखता है गूगल का एआई चैटबॉट

साइंस डेस्क

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के कारण गूगल के इंजीनियर की नौकरी खतरे में पड़ गई है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार गूगल ने अपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेवलपमेंट टीम के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ब्लेक लेमोइन को सस्पेंड कर दिया है। ब्लेक पर आरोप है कि उन्होंने ने थर्ड पार्टी के साथ कंपनी के प्रोजेक्ट के बारे में कॉन्फिडेंशियल इन्फर्मेशन को शेयर किया है। ब्लेक ने सस्पेंशन के बाद गूगल के सर्वर के बारे में अजीब और चौंकाने वाला दावा किया है। ब्लेक ने सार्वजनिक तौर पर यह दावा किया है कि गूगल के सर्वर पर उनका सामना एक 'सेंटीनेंट' एआई यानी संवेदनशील एआई के साथ हुआ है। ब्लेक ने यह भी दावा किया कि यह एआई चैटबॉट एक इंसान की तरह सोच भी सकता है।

पिछले हफ्ते पेड लीव पर थे ब्लेक

इससे पहले एल्फाबेट आईएनसी ने पिछले हफ्ते की शुरुआत में ब्लेक को पेड लीव पर भेजा था क्योंकि उन्होंने कंपनी की कॉन्फिडेंशियलिटी पॉलिसी का उल्लंघन किया था। ब्लेक ने कहा कि उन्हें एआई एथिक्स पर काम करने के लिए जल्द नौकरी से निकाला जा सकता है। इस पोस्ट में उन्होंने मार्गरिट मिशेल जैसे गूगल के एआई एथिक्स ग्रुप के पूर्व सदस्यों का भी जिक्र किया है, जिन्हें कंपनी ने ब्लेक की तरह ही सस्पेंड किया था क्योंकि उन्होंने भी एआई के संवेदनशील होने के मुद्दे को उठाया था।

'इंसान था गूगल का एआई'

वाशिंगटन पोस्ट को दिए गए इंटरव्यू में ब्लेक ने कहा कि उन्होंने जिस गूगल एआई के साथ बातचीत की, वह एक इंसान था। जिस एआई को लेकर इतना बवाल मचा है उसका नाम एलएएमडीए (लेंगवेज मॉडल फॉर डायलोग एप्लीकेशन) है। इसका इस्तेमाल चैट बॉट बनाने के लिए किया जाता है, जो अलग-अलग पर्सनैलिटी को अपनाकर ह्यूमन यूजर्स के साथ बातचीत करते हैं। ब्लेक ने कहा कि उन्होंने इसे साबित करने के लिए एक्सपेरिमेंट करने की कोशिश की, लेकिन कंपनी के टॉप ऑफिशियल्स ने इस मामले को आंतरिक रूप से उठाने पर उन्हें काफी भला-बुरा कहा।

खुद घाव भर लेगी अंगुली

वैज्ञानिकों ने एक ऐसी रोबोटिक अंगुली बनाई है, जो हूबहू इंसान की उंगली जैसी दिख रही है। इस अंगुली को मानव कोशिकाओं से बनी जीवित त्वचा से बनाया गया है। खास बात यह है कि यह अंगुली अपने ऊपर लगे घाव को खुद भरने में सक्षम है।

वैज्ञानिक शोजी टेकुची का लक्ष्य था ऐसा रोबोट बनाना जो बिल्कुल इंसानों जैसा हो। उन्होंने हाल ही में मानव कोशिकाओं से बनी जीवित त्वचा वाली एक रोबोटिक अंगुली बनाई है। यह बिना टूटे मुड़ सकती है और घूम सकती है। अगर इसे चोट लगती भी है, तो इसके घाव खुद भर जाते हैं और यह खुद ब खुद ठीक हो जाती है।

लिविंग सेल्स से तैयार

सिलिकॉन रबर से बने रोबोट दूर से देखने में तो असली लग सकते हैं, लेकिन करीब से देखने पर वे नकली दिखाई देते हैं। रोबोट की स्किन असली दिखे, इसके लिए हमने उसे उसी स्किन से कवर करने का मन बनाया जो वास्तव में इंसानों की असली स्किन होती है, यानी लिविंग सेल्स से बनी।

ऐसे की तैयार

मैटर जर्नल में प्रकाशित शोध के मुताबिक, रोबोटिक अंगुली को कोलेजन और मानव डर्मल फाइब्रोब्लास्ट वाले घोल में डुबोकर लिविंग स्किन बनाई गई। जैसे ही रोबोटिक अंगुली के चारों तरफ कोलेजन और फाइब्रोब्लास्ट चिपकना शुरू हुए, दोनों कसने लगे। अंगुली असली उंगली जैसी दिखने लगी, जिसे टेकुची हाइपर-रियलिस्टिक अंगुली की सफलता मानते है।

आसानी से मुड़ेगी: यह सामान अंगुलियों की तरह मुड़ती और घूमती है। कोलेजन और फ़ाइब्रोब्लास्ट सेट होने के बाद, सबसे ऊपर मानव एपिडर्मल केराटिनोसाइट्स का कोट किया गया, ताकि ये 90% तक त्वचा की तरह लगे। त्वचा ज्यादा जीवंत लगती है। हल्का पसीना भी त्वचा पर दिखाई देता है।
वाटर प्रूफ: केराटिनोसाइट्स मानव त्वचा को वाटर प्रूफ बनाते हैं, इसने रोबोटिक अंगुली को भी वाटर प्रूफ बनाया, जो असली ऊंगली की तरह ही प्रभाव देती है। अच्छी बात तो यह है कि झुकने या मुड़ने की वजह से, या चिमटी से त्वचा को खींचने से उसे चोट लगती है, तो ये खुद ब खुद ठीक कर लेगी।

अब पेड सब्सक्रिप्शन वाला होगा टेलीग्राम

साइंस डेस्क

टेलीग्राम जल्द अपने यूजर्स के लिए एक पेड सब्सक्रिप्शन प्लान लॉन्च करेगा। इसका नाम टेलीग्राम प्रीमियम होगा। खुद कंपनी के फाउंडर पावेल ड्यूरोव ने इस बात की जानकारी दी है। ड्यूरोव ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि जो यूजर टेलीग्राम प्रीमियम का ऑप्शन चुनेंगे, उन्हें चैट, मीडिया और फाइल अपलोड करने के लिए हायर लिमिट मिलेगी। टेलीग्राम प्रीमियम इस महीने के लास्ट में मिलेगा। लेकिन फिलहाल कीमत के बारे में जानकारी सामने नहीं आई है।

50 करोड़ मंथली एक्टिव यूजर्स

मैसेजिंग टूल सिग्नल के साथ टेलीग्राम ने अपने सबसे बड़े कंपटीटर वॉट्सऐप के साथ प्राइवेसी पॉलिसी सामने आने के बाद अपने यूजर्स में ग्रोथ देखी है। टेलीग्राम के अभी 500 मिलियन (50 करोड़) मंथली एक्टिव यूजर्स हैं और यह अपनी वेबसाइट के मुताबिक दुनिया के 10 सबसे ज्यादा डाउनलोड किए जाने वाले ऐप में से एक है। ड्यूरोव ने कहा कि वह पेड सब्सक्रिप्शन के जरिए टेलीग्राम को एडवर्टाइज की बजाय खासतौर से अपने यूजर्स से फंडेड बनाना चाहते हैं।

रेगुलर टेलीग्राम असर

पावेल ड्यूरोव ने कहा कि टेलीग्राम की सभी मौजूदा फीचर्स फ्री रहेंगे और आने वाले सालों में भी कई नए फ्री फीचर्स लाए जाएंगे। फ्री यूजर्स, प्रीमियम यूजर्स के भेजे गए डॉक्युमेंट्स, रिएक्शन और स्टिकर भी देख सकेंगे।

बदल जाएगी टेलीग्राम की टैगलाइन

एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐप डाउनलोड करने वाले यूजर में टैगलाइन देख रहे हैं- "टेलीग्राम हमेशा के लिए मुफ्त रहेगा, नो एड नो फीस"। हालांकि, यह जल्द ही बदल सकता है। लेटेस्ट अपडेट में, टेलीग्राम ऐप के अपकमिंग वर्जन के लिए कोड को मुफ्त स्लोगन को छोड़कर एक अलग टैगलाइन के साथ ऑनलाइन देखा गया है। नए स्ट्रिंग्स से हिंट मिलता है कि कंपनी रेवेन्यू हासिल करने के लिए ऐप के लिए एक और तरीके की टेस्टिंग कर रही है।

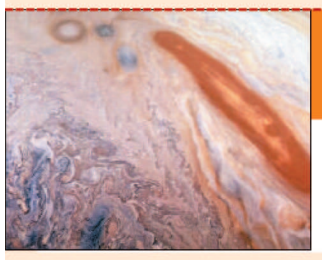

गुरु ग्रह के अंदरूनी हिस्से में भरी पड़ी अमूल्य धातुएं

- खगोलविदों ने निर्माण के बारे में जुटाई अहम जानकारी
- 2016 में नासा का जूनो यान पहुंचा था बृहस्पति के पास
- इस हिस्से का भार पृथ्वी के भार से 11 से 30 गुना ज्यादा

साइंस डेस्क

खगोलविदों ने गुरु ग्रह (जूपिटर) के बारे में एक नई जानकारी जुटाई है। एक नए अध्ययन में खगोलविदों ने पाया है कि इस विशाल ग्रह का गैसीय आवरण समान नहीं है। उसके अंदरूनी हिस्से में धातुओं की मात्रा बाहरी हिस्से के तुलना में कहीं ज्यादा है। उन्होंने पाया है कि अधिक धातु की मात्रा की गुरु ग्रह के निर्माण में कोई न कोई भूमिका जरूर रही होगी। जबकि इससे पहले गुरु को संवहन के जरिए गैसों के बादलों के समान वितरण वाला पिंड माना जाता था।

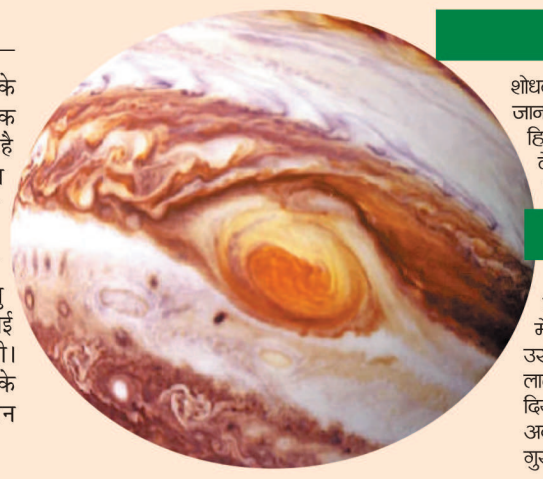

पदार्थों का अनियमित वितरण

शोधकर्ताओं ने गैसीय ग्रह गुरु में पदार्थों का अनियमित वितरण की अहम जानकारी निकाली है। उन्होंने पाया है कि गुरु के आंतरिक हिस्से में बाहरी हिस्से की तुलना में धातु की मात्रा कहीं ज्यादा है। इस हिस्से का भार पृथ्वी के भार से 11 से 30 गुना ज्यादा है जो गुरु ग्रह के कुल भार का करीब 3 से 9 प्रतिशत हिस्सा है।

कई रहस्य समेटे

हमारा सौरमंडल का हर ग्रह अपने अंदर कई रहस्यों को समेटे हुए है, जिन्हें जानने का प्रयास खगोलविद काफी समय से कर रहे हैं। साल 2016 में नासा का जूनो अंतरिक्ष यान गुरु ग्रह के पास तक पहुंचा था, जिसने उसकी नजदीक की तस्वीरें भेजी थीं। इन्हीं तस्वीरों में गुरु ग्रह के मशहूर लाल धब्बे के अलावा जगह जगह फैले हुए तूफानों का ऐसा नजारा दिखाई दिया जो किसी रहस्यमयी पेंटिंग की तरह लगता था। अब जूनो के अवलोकनों और कई संख्यात्मक प्रतिमानों के आधार पर पता लगाया है कि गुरु ग्रह के गैसीय आवरण में पदार्थों का समान वितरण नहीं।

बृहस्पति का गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के मुकाबले 2.4 गुणा ज्यादा शक्तिशाली है। इसका अर्थ यह है कि अगर पृथ्वी पर आपका भार 40 किला है तो बृहस्पति पर 94 किलो हो जाएगा।

ग्रहाणुओं की भूमिका

इतनी धात्विकता यह नतीजा निकालने के लिए पर्याप्त है कि एक किलोमीटर के आकार टुकड़ों या ग्रहाणुओं ने गुरु ग्रह के निर्माण में भूमिका जरूर निभाई होगी। एसआरओएन/लेडन वेधशाला के यामिला मिगेल की अगुआई में हुए यह अध्ययन एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स में प्रकाशित हुआ है।

आंतरिक संरचना की जानकारी

गुरु के बाहर दिखाई देने वाली परत के नीचे का यह आवरण आसानी से दिखाई नहीं देता है। फिर भी जूनो ने गुरुत्व खिंचाव का संवेदन अलग अलग जगहों से किया जिससे खगोलविदों को गैसीय ग्रह की आंतरिक संरचना की जानकारी मिल सकी और जिसका अंदाजा सतह से भी नहीं हो पाता है।

सैद्धांतिक प्रतिमानों का परीक्षण

शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि गुरु में जैसे जैसे हम केंद्र की ओर जाएंगे हाइड्रोजन और हीलियम से भी भारी तत्वों की मात्रा में इजाफा होता जाएगा। इस नतीजे पर पहुंचने के लिए टीम ने बहुत से सैद्धांतिक प्रतिमान बनाए और उन्हें जूनो के अवलोकनों की कसौटियों पर कसते हुए ग्रह के धातु वितरण का अध्ययन किया।

क्या हो सकती है इसकी वजह

शोधकर्ताओं को इसी वितरणसे गुरु ग्रह के निर्माण की भी जानकारी मिली। धातु का वितरण आंतरिक हिस्सों में ज्यादा है और बाहरी हिस्से में कम है। उनके मुताबिक गुरु ग्रह के निर्माण के दौरान दो प्रणालियों से धातुएं उसमें पहुंची। एक तो छोटे पत्थरों से की अभिवृद्धि प्रक्रिया से और दूसरे विशाल ग्रहाणुओं से।

एक ही कारण

जब नवजात ग्रह बड़े होते हैं तो वे छोटे पत्थरों क फेंकना शुरू कर देते हैं, लेकिन गुरु ग्रह पर इस वजह से धातुओं का सम्पन्नता संभव नहीं है। जब ग्रहाणुओं को रोकना बहुत मुश्किल होता है इसलिए उनकी जरूर इसमें कोई भूमिका होती है। अंदर के हिस्सों में ज्यादा धातु होने का मतलब है कि ऊंचाई के साथ प्रचुरता में कमी आ रही है।

एक नज़र

जयपुर में मीट मशीन से निकला लाखों का गोल्ड

एयरपोर्ट पर पकड़ा गया स्मगलर, एक घंटे कोशिश के बाद मिला सोना

हिलव्यू समाचार

जयपुर। कस्टम की टीम ने गुरुवार को जयपुर एयरपोर्ट पर गोल्ड तस्करी का खुलासा किया है। ओमान की राजधानी मस्कट से आई फ्लाइट में आए यात्री के पास इलेक्ट्रिक इक्विपमेंट से 18 लाख का सोना मिला है। असिस्टेंट कमिश्नर भारत भूषण ने बताया कि सलाम एयरवेज की फ्लाइट से आए गए पैसेंजर के जब डॉक्युमेंट चैक किए तो सामने आया कि तीन महीने पहले ही वह दुबई गया था। अब दोबारा इंडिया आया। यात्री से जब पूछताछ की तो बताया कि वह दुबई के एक होटल में वेटर का काम करता है और किसी काम से वापस इंडिया आया है। शक होने पर जब लगेज की एक्स-रे से स्कैनिंग की तो ट्रॉली बैग में एक बॉक्स मिला। इसमें मीट ग्राइंडर छिपा कर रखा था। इसी में से कस्टम विभाग ने करीब 346 ग्राम गोल्ड निकाला।

तोड़ा तो सोना निकला: पॉलिथीन में बंद डिब्बे को जब खोला तो उसमें मीट ग्राइंडर निकला। इस मीट ग्राइंडर को जब मशीन से काटकर एक-एक

उपकरण खोले गए तो उसमें से एक जगह सिलेंडर की शेप में गोल्ड बार मिली। इस गोल्ड बार का वजन 346.30 ग्राम निकला।अधिकारियों ने बताया कि इसकी मार्केट वैल्यू 18 लाख 6 हजार रुपए के करीब है।

25 दिन पहले पकड़ा था 1.22 करोड़ का सोना: कस्टम की टीम ने करीब 25 दिन पहले भी गोल्ड तस्करी पकड़ी थी। तब टीम को शारजाह की फ्लाइट से एक यात्री के बैग में मेटल की संदिग्ध वस्तु नजर आई थी। बैग खोला तो इसमें प्रेस (आयरन) रखी थी। अधिकारियों ने बताया कि प्रेस को खोला तो प्रेशर प्लेट के नीचे 2 किलो 333 ग्राम गोल्ड निकला था। इसकी कीमत 1 करोड़ 22 लाख 41 हजार 950 रुपए निकली थी।

कंप्यूटर सेंटर पर बने लड़कियों के न्यूड वीडियो: सोशल मीडिया पर किए शेयर

संचालक बोला... ब्लैकमेल के लिए ऑपरेटर ने एडिट किए

हिलव्यू समाचार

नागौर। कंप्यूटर सीखने गई लड़कियों के न्यूड वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर शेयर हुए 17 ऐसे वीडियो से सनसनी फैल गई। वीडियो में कंप्यूटर सेंटर संचालन लड़कियों से अश्लील हरकत करता दिखाई दे रहा है। मामला नागौर का है।

नागौर शहर में शनिवार शाम को उस समय हड़कंप मच गया जब शहर के नजदीक ताऊसर गांव स्थित एक कंप्यूटर सेंटर की स्टूडेंट्स के न्यूड वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर होने लग गए। एक-एक करके 7-8 स्टूडेंट्स के 17 वीडियो अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किए गए। वीडियो में

खुद कंप्यूटर संचालक इन स्टूडेंट्स के साथ अश्लील हरकतें करता दिख रहा था। अश्लील फोटो-वीडियो में नशे के सामान से भरी कई थैलियों भी दिखाई दे रही थी। शनिवार देर रात कंप्यूटर सेंटर संचालक कोतवाली थाने पहुंचा और दो युवकों के खिलाफ़ उसे व उसके सेंटर को बदनाम करने का मामला दर्ज कराया है।

2019 में बनाए वीडियो: चेनार कोचिंग संचालक ने रिपोर्ट पेश कर बताया कि ताऊसर गांव स्थित उसके सेंटर में साल 2019 में नागौर निवासी युवक कंप्यूटर ऑपरेटर था। इस दौरान वह सेंटर पर आने वाली गर्ल स्टूडेंट्स के फोटो-वीडियो बनाकर उन्हें धमकाने लगा तो उसे नौकरी से निकाल दिया था। इस दौरान उसके साथ नागौर का ही रहने वाला एक अन्य युवक भी इन हरकतों में शामिल था, तो उसे भी सेंटर में आने से मना कर दिया था। इससे दोनों उससे रंजिश रखने लगे। इन्होंने फोटो वीडियो एडिट कर सोशल मीडिया पर डालते हुए बदनाम करने का प्रयास किया है।

संचालक बोला- 3 साल पहले काम करता था कर्मचारी: जांच में अब तक ये सामने आया है कि सभी वीडियो कंप्यूटर सेंटर और संचालक के ही है और पुराने है। ये सभी फोटो वीडियो सेंटर के ही किसी कंप्यूटर में सेव थे। जिन्हें पुराने ऑपरेटर ने कॉपी कर रखे थे। वह संचालक को ब्लैकमेल करते हुए उससे 5 लाख रुपए की डिमांड कर रहा था। जब नहीं दिए तो शनिवार को ये वीडियो वायरल कर दिए।

कोतवाली थाना CI ब्रजेंद्र सिंह ने बताया कि कंप्यूटर सेंटर संचालक ने रविवार देर शाम मामला दर्ज कर बताया कि दो युवक उसके एडिट वीडियो से ब्लैकमेल कर 5 लाख रुपए की डिमांड कर रहे हैं। ये वीडियो 2019 के बताए जा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तस्करों को भगाने वाली बर्खास्त SI सीमा जाखड़ गिरफ़्तार

10 लाख में की थी डील, जोधपुर में पीहर जाते समय पकड़ा

हिलव्यू समाचार

सिरोही। सिरोही के बरलूट थाने में SHO रहते हुए तस्करों को फरार करवाने के मामले बर्खास्त SI सीमा जाखड़ को पुलिस ने जोधपुर से गिरफ्तार कर लिया है। रविवार रात ससुराल से पीहर जाते समय पुलिस ने सीमा को दबोचा। नवंबर 2021 के इस मामले में 4 आरोपियों की पहले ही गिरफ्तारी हो चुकी है। सीमा जाखड़ को रातभर सरूपगंज थाने में रखा गया है। आज कोर्ट में पेश किया जाएगा।

दरअसल, 14 नवंबर को बरलूट थाने की नाकाबंदी में पकड़े गए तस्कर धोरीमन्ना निवासी रमेश विश्नोई और चितलवाना निवासी दिनेश विश्नोई को 10 लाख रुपए लेकर फरार कर दिया था। SP धर्मेंद्र सिंह को मुखबिर से सूचना

मिलने के बाद उन्होंने बरलूट थाने पहुंचकर इसका खुलासा किया था।

मायके और ससुराल के बीच रेकी कर रही थी पुलिस: आरोपियों की रिपोर्ट पर फाइल पिछले कुछ महीनों से SOG भेजी हुई थी। पिछले महीने इसी मामले में शंकर लाल नाम के एक और आरोपी की गिरफ्तारी होने और SOG से फाइल जिला पुलिस को मिलने के बाद पूरे मामले में सीमा जाखड़ की भूमिका खुलकर सामने आ गई थी।

SP के निर्देश पर रविवार को स्वरूपगंज थानाधिकारी हरिसिंह राजपुरोहित और आबूरोड शहर थानाधिकारी सरोज बैरवा जोधपुर पहुंचे व सीमा जाखड़ को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि सीमा को गिरफ्तार करने से पहले पुलिस टीम ने पूरी रेकी की और सीमा के मूवमेंट का पता लगाया। सीमा का मायका और ससुराल ज्यादा दूर नहीं है। रविवार को सीमा को ससुराल से पीहर जाते समय दबोच लिया गया।

तस्करों को भगाने से गिरफ्तारी तक की ये है कहानी

14 नवंबर 2021 की शाम बरलूट थाना इलाके में जावाल नदी के पास नाकाबंदी की थी। सिरोही से जालोर की तरफ जा रहे तस्करों की कार पुलिस की बिछाई लोहे की कीलों से पंक्चर हो गई थी। तस्कर गाड़ी और 141 किलो डोडा-पोस्त छोड़कर फरार हो गए थे। सीमा जाखड़ ने तस्करों के सरगना को वॉट्सऐप कॉल कर तस्करों को छोड़ने का ऑफर दिया। डील तय होने के बाद सीमा जाखड़ खुद की गाड़ी में दोनों को बैठाकर सांचौर गई और 10 लाख रुपए व तस्करों को साथ लेकर वापस आ गई। इसके बाद गणेश ट्रैवल्स की बस में बैठाकर दोनों तस्करों दिनेश विश्नोई और रमेश विश्नोई को फरार करवा दिया था। 15 नवंबर को सीमा जाखड़ उदयपुर जोधपुर और पाली में रुपए ठिकाने लगाकर आ गई। 15 नवंबर को ही SP ने बरलूट थाने जाकर पूरे मामले का खुलासा कर दिया। तस्कर के नदी से होते हुए बलवंतगढ़ के पास रोड पर आते हुए के सीसीटीवी फुटेज बलवंतगढ़ के रामदेव होटल से पुलिस ने बरामद कर लिए थे।

तस्करों को जिस बस से फरार करवाया, उस बस में लगे CCTV मिलने के बाद पूरे मामले का खुलासा हो गया और स्क्रीन सीमा जाखड़ के साथ तीन कॉन्स्टेबल हनुमान, ओमप्रकाश और सुरेश को सस्पेंड कर दिया था। 26 नवंबर को सीमा जाखड़ और तीनों कांस्टेबल को बर्खास्त कर दिया गया था। 29 नवंबर को सीमा की जोधपुर में शादी थी।

अब तक 4 गिरफ्तारी, पहली 29 नवंबर को हेमाराम की हुई थी

खुलासे के 15 दिन बाद 29 नवंबर को मुख्य सरगना मांगीलाल विश्नोई के बहनोई हेमाराम विश्नोई की पहली गिरफ्तारी हुई थी। कुछ दिनों पहले इस मामले में शंकर लाल विश्नोई को गिरफ्तार किया गया था। शंकर लाल डोडा मंगवाने वाले मांगीलाल का भागीदार है, जिसने तस्करी करने के लिए आरोपियों को चोरी की कार उपलब्ध करवाई थी। मुख्य तस्कर दिनेश विश्नोई को गिरफ्तार किया गया था। अब सीमा जाखड़ के गिरफ्तार होने के बाद इस मामले में चौथी गिरफ्तारी हो चुकी है।

जयपुर में दोस्त ने पीट-पीटकर की दोस्त की हत्या

गाली-गलौज पर चले लात-घूंसें, कनपटी पर 3-4 मुक्के मारकर मार डाला

जयपुर। जयपुर में गुरुवार शाम दो दोस्तों में कहासुनी के बाद झगड़ा हो गया। मारपीट के दौरान एक दोस्त ने दूसरे दोस्त की लात-घूंसों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। विश्वकर्मा थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव अस्पताल की मॉच्यूरी में रखवाया है। पुलिस ने हत्या के आरोपी दोस्त को राउंडअप कर लिया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

एसएचओ रमेश सैनी ने बताया कि मृतक मोहन उर्फ मोनू (22) पुत्र नारायण लाल बुनकर स्वामियों की ढाणी गांव मानपुरा माचेडी चंदवाजी का रहने वाला था। वह पिछले 4 साल से विश्वकर्मा इलाके में श्याम कॉलोनी स्थित गैस बर्नर फैक्ट्री में काम करता था। फैक्ट्री में मोरीजा सामोद निवासी लखन कुमार सैनी (20) भी वर्कर है। गुरुवार को दोनों दोस्त मोहन और लखन फैक्ट्री में काम कर रहे थे। शाम करीब 6 बजे दोनों दोस्तों में गली-गलौज को लेकर कहासुनी हो गई। दोनों एक-दूसरे से मारपीट करने लगे। लात-घुसे से एक-दूसरे के साथ फैक्ट्री में गुथमगुथा हो गए।

3-4 मुक्के मारने के बाद नहीं उठा

झगड़े के दौरान लखन ने मोहन को जमीन पर पटक लिया। लात-घुसों से मारपीट करने के दौरान मोहन की कनपटी पर तीन-चार मुक्के मारे। झगड़े होते देखकर आसपास के लोग दौड़कर आए, लेकिन तब तक मोहन जमीन पर बेहोश पड़ा मिला। गंभीर हालत में मोहन को तुरंत हॉस्पिटल पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मेडिकल सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जानकारी ली। झगड़े में एक दोस्त के दूसरे दोस्त की हत्या का मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने हत्या के आरोपी में दोस्त लखन को राउण्डअप किया है।

उदयपुर में ऑटो ड्राइवर ने महिला से किया गैंगरेप

पॉश इलाके की महिला को जबरन पिलाई शराब, घर छोड़ने के बहाने ले गया

हिलव्यू समाचार

उदयपुर। उदयपुर में एक ऑटो ड्राइवर ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर सवारी महिला से गैंगरेप कर दिया। फिर 25 साल की महिला को मौके पर ही छोड़कर भाग गए। पीड़ित महिला खुद ही थाने पहुंची। मामला दर्ज करवाया। घटना रविवार देर शाम सवीना थाना इलाके की है।

महिला ने पुलिस को बताया कि रविवार शाम को मैं रेती स्टैंड के बाजार से खरीददारी कर अपने घर लौट रही थी। इसी दौरान एक युवक ऑटो लेकर आया। मैंने सवीना जाने को कहा। 2 सवारियां बैठी देखकर मैं भी ऑटो में बैठ गई। गिरिजा व्यास पेट्रोल पंप के पास ऑटो में बैठी 2 सवारियां नीचे उतर गईं। इसके बाद ऑटो ड्राइवर मुझे एक शराब ठेके के पास ले गया और अपने दोस्त को भी बुला लिया। दोनों ने मुझे जबरन पकड़ लिया। VIP कॉलोनी के आगे सुनसान झाड़ियों में ले गए। रेप किया। इसके बाद जबरन शराब भी पिलाई।

महिला चिल्लाती रही, किसी ने ध्यान नहीं दिया: महिला ने पुलिस को बताया कि ऑटो ड्राइवर ने इस दौरान अपने तीन दोस्तों को भी फोन कर बुलाया। उन्होंने भी बारी-बारी से रेप किया। इसके बाद चारों मुझे वहीं छोड़कर बाइक से फरार हो गए। इसके बाद पीड़िता सवीना थाने पहुंची। मामला दर्ज करवाया। सवीना थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। इस केस की जांच डीएसपी चेतना भाटी को दी गई है। जल्द ही इस मामले में महिला के बयानों के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी होगी। कई सालों से अपने पति और 3 बच्चों के साथ सवीना में रहती है।

देश का बिजली संकट दूर करेगा राजस्थान

यूरेनियम का बड़ा भंडार मिला, परमाणु हथियार बनाने के भी आता है काम

हिलव्यू समाचार

जयपुर। झारखंड और आंध्र प्रदेश के बाद राजस्थान में यूरेनियम के विशाल भंडार मिले हैं। सीकर के खंडेला इलाके में खनन की तैयारी शुरू हो गई है। यहां 1086.46 हेक्टेयर एरिया में 12 मिलियन टन यूरेनियम और इससे जुड़े एसोसिएटेड मिनरल्स के भंडार मिलने के बाद सरकार के भी चेहरे खिल उठे हैं। वर्ल्ड स्क्रीन पर राजस्थान भी चमकने लगा है। इससे रोजगार से लेकर इंवेस्टमेंट तक के रास्ते खुल गए हैं। उधर, यूरेनियम के संवर्धन के आधार पर ही तय होगा कि परमाणु हथियार बनाने में इसका उपयोग होगा या नहीं। इसके साथ ही परमाणु बम में यूरेनियम का उपयोग करने के लिए कई वैज्ञानिक परीक्षण करने होते हैं।

यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया करेगा माइनिंग

प्रदेश के माइंस एंड पेट्रोलियम डिपार्टमेंट के एडिशनल चीफ सेक्रेट्री डॉ. सुबोध अग्रवाल ने रविवार को बताया- राजस्थान सरकार ने सीकर के पास खण्डेला तहसील के रोहिल में यूरेनियम अयस्क की माइनिंग के लिए 'यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया' को पट्टा का लेटर ऑफ इंटेट जारी कर दिया है। देश में झारखंड और आंध्र प्रदेश के बाद राजस्थान में यूरेनियम के विशाल भंडार मिले हैं। यूरेनियम दुनिया के दुर्लभ खनिजों में से एक माना जाता है। परमाणु ऊर्जा के लिए यूरेनियम बेहद कीमती खनिज है। यूरेनियम माइनिंग से राजस्थान के वर्ल्ड स्क्रीन पर आने के साथ ही इंवेस्टमेंट, रेवेन्यु और रोजगार के दरवाजे खुल गए हैं।

यूरेनियम माइनिंग सेक्टर में एंट्री: माइनिंग के लिए राजस्थान सरकार ने LOI (लेटर ऑफ इंटेंट) जारी कर दिया है। इसी के साथ राजस्थान की यूरेनियम माइनिंग सेक्टर में एंट्री हो गई है। यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (UCIL) करीब 3 हजार करोड़ का इंवेस्टमेंट करेगा। करीब 3 हजार लोगों को डायरेक्ट- इन डायरेक्ट रोजगार मिलेगा।

जल्दी शुरू होगी माइनिंग

ACS डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया देश में अभी तक झारखंड के सिंहभूमि के जादूगोडा और आंध्र प्रदेश में यूरेनियम की माइनिंग की जा रही है। जरूरी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद राजस्थान में भी माइनिंग शुरू हो जाएगी। यूरेनियम के साथ निकलने वाले प्रोडक्ट्स के आधार पर को-इंडस्ट्रीज भी प्रदेश में लगेंगी।

माइनिंग प्लान होगा अप्रूव: अब UCIL परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज अन्वेषण और अनुसंधान निदेशालय हैदराबाद से माइनिंग प्लान अप्रूव करवाकर पेश करेगा। इसी तरह माइन डेवलपमेंट एंड प्रोडक्शन एग्रीमेंट (MDPA) के समय मिनरल रिजर्व प्राइस 0.50 प्रतिशत अमाउंट परफॉरमेंस सिक्योरिटी बैंक गारंटी के तौर पर दी जाएगी। भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से इनवॉयरमेंट सर्टिफिकेट (EC) लिया जाएगा। 69.39 हेक्टेयर चरागाह जमीन की रेवेन्यु डिपार्टमेंट से NOC ली जाएगी।

15 युवकों ने की हैवानियत

एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर में टीचर को न्यूड कर बाल काटे, कार को तहस-नहस किया

हिलव्यू समाचार

जैसलमेर। एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लगाते हुए पैरा टीचर से युवकों ने हैवानियत की है। पहले तो उसे जमकर पीटा, फिर न्यूड किया और उसके बाल काट डाले। उसकी कार को भी नहीं छोड़ा। एक युवक बोनट पर तो दूसरा उसकी छत पर खड़े होकर कई बार कूदा। शीशे भी चकनाचूर कर दिए। कार को तहस-नहस करने के बाद भी युवकों को गुस्सा ठंडा नहीं हुआ। सबने मिलकर कार को सड़क किनारे पलट दिया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने 15 युवकों के खिलाफ FIR दर्ज की है। एक युवक की गिरफ्तारी भी हुई है। पीड़ित सरकारी स्कूल में तैनात है। मामला जैसलमेर के सदर इलाके का है।

सदर थानाधिकारी देव किशन ने बताया कि मामला एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का बताया जा रहा है। पीड़ित टीचर शादीशुदा हैं। उसके 2 बच्चे भी हैं। वह सम थाना क्षेत्र के केसुओं की बस्ती के रहने वाले हैं। आरोपी युवक सदर इलाके के सोजियों की ढाणी चांधन के रहने वाले हैं। दोनों के गांव में करीब 90 किलोमीटर का अंतर है। प्राथमिक जांच में इसी तरह की जानकारी सामने आई है। जिस गांव के युवक हैं, उसी गांव में एक महिला के घर टीचर का आना-जाना था। कई दिनों से उस गांव के युवक इसको वॉच कर रहे थे। पिछले दिनों टीचर उनके गांव महिला से मिलने गया था। लौटते समय करीब 15 युवकों ने घेर लिया। पहले तो उसको मन भर पीटा। फिर उसके कपड़े उतार दिए। उसके सिर के बाल काटे। वह गिड़गिड़ाता रहा। पर उसकी किसी ने नहीं सुनी। इसके बाद उसकी कार में जमकर तोड़फोड़ की और सड़क किनारे पलट दिया।

वीडियो सामने आने के बाद पुलिस हरकत में: सदर थानाधिकारी ने बताया कि इस पूरे मामले का वीडियो सामने आया। गुरुवार को स्वढ्ढक्र हुई है। रिपोर्ट पीड़ित टीचर के चाचा के लड़के ने दी थी। आरोपियों ने ही हैवानियत की और उसका पूरा वीडिया बनाया। वही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने पड़ताल शुरू कर दी है। एक युवक सवाई खान को गिरफ्तार भी किया गया है।

20 जून की रात को महिला ने बुलाया

सूत्र बताते हैं कि पैरा टीचर को महिला ने 20 जून की रात को बुलाया था। टीचर महिला के गांव गया। वहां से निकला तो 2 कारों में आरोपियों ने उसका अपहरण कर लिया। उसे गांव से बाहर लाए और हैवानियत की। पैरा टीचर अपने साले की कार से गांव गया था। तीन महीने पहले ही यह कार खरीदी गई थी। आरोपी युवक महिला के रिश्तेदार हैं।

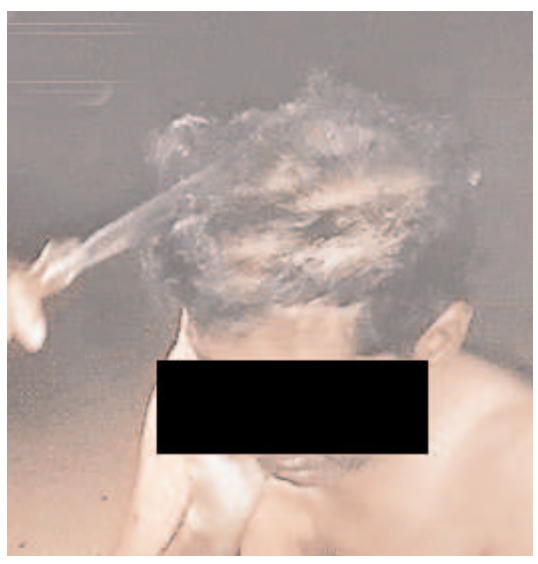

रिश्वत लेते एक्सईएन गिरफ़्तार

डामरीकरण कार्यों के बिल पास करने के लिए मांगे पांच लाख रुपए

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा एसीबी की टीम ने राजसमंद जिले के भीम में रिश्वतखोरी के बड़े कांड का खुलासा करते हुए पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन के साथ ही एक दलाल को गिरफ्तार किया है। एक्सईएन ने चार सड़कों के डामरीकरण के बिल पास करने के एवज में ठेकेदार से पांच लाख रुपए के रिश्वत की मांग की थी। जिसकी शिकायत ठेकेदार ने एसीबी से की थी।

एसीबी एएसपी ब्रजराज सिंह ने बताया की परिवादी ठाकुर सिंह द्वारा डी.एम.एफ.टी. योजना फेज द्वितीय के अन्तर्गत 4 सड़कों के डामरीकरण कार्य (1. देवगढ - आमेट रोड से सोलंकियो का गुढा 2. माद से मुंडकोशिया 3. देवरिया से माताजी का गांव 4. सासरिया से दौलाजी का खेडा) करीब 1 करोड़ 16 लाख रूपए के देवगढ क्षेत्र में वर्ष 2018 में करवाए थे। डी.एम.एफ.टी. योजना फेज द्वितीय के अन्तर्गत 4 सडकों के डामरीकरण कार्य के बिल तैयार करवा कर परिवादी ने अधिशाषी अभियन्ता कार्यालय भीम में करीब साढे तीन साल पहले पेश कर दिए थे। जिसमें से करीब 12 लाख का भुगतान हो चुका है। बाकी के करीब 98 लाख रूपए के भुगतान की एवज में केशराम एक्सईएन भीम द्वारा 10.06.2022 को परिवादी से 5 लाख रूपए रिश्वत की मांग की। जिसके बाद परिवादी ने 14 जून को एसीबी कार्यालय में शिकायत की। एसीबी ने अपनी जांच पूरी करने के बाद मंगलवार को प्रार्थी को रिश्वत की राशि देकर भेजा गया। जिसके आरोपी ने लेकर अपने निवास पर बैड की रैक में रख दी। इसके बाद एसीबी को देख आरोपी ने रिश्वत की राशि को अपने साथी गोपालसिंह रावत को कहकर हटवा दी। एसीबी ने वह राशि बरामद कर ली। और एक्सईएन व उसके साथी को गिरफ्तार कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने बाल संरक्षण संकल्प यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

गांव-ढ़ाणियों तक पहुंचेगी बाल संरक्षण योजनाओं की जानकारी

बाल विवाह, बाल श्रम, बाल हिंसा व यौन हिंसा की रोकथाम के बारे में करेगी जागरूक

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास पर बाल संरक्षण संकल्प यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि सात जिलों की 140 ग्राम पंचायतों में इस यात्रा के द्वारा राज्य सरकार द्वारा बाल संरक्षण हेतु चलाए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया जाएगा ताकि गांव-ढ़ाणी तक बाल अधिकारों के बारे में जागरूकता लाई जा सके व कोई भी बच्चा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से वंचित ना रहे। मुख्यमंत्री बाल अधिकारिता विभाग, यूनिसेफ व पिंकसिटी साइकिल रिक्शा चालक संस्था की ओर से आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

गहलोत ने कहा कि बच्चे हमारी अमूल्य धरोहर है तथा बच्चों के सामाजिक, शैक्षणिक और स्वास्थ्य विकास के साथ उन्हें संरक्षण प्रदान करना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है। राज्य सरकार बाल यौन हिंसा, बाल विवाह, बाल मजदूरी के उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध है। बाल संरक्षण संकल्प यात्रा के अंतर्गत हर 20 दिन बाद बाल मेले का आयोजन किया जाएगा जिसमें सभी विभाग भाग लेंगे। मेले में ग्राम भ्रमण के दौरान पात्र व्यक्तियों को योजनाओ से लाभांवित करने हेतु चिन्हित कर लिए गए आवेदनों का मौके पर निस्तारण किया जाएगा।

बाल संरक्षण एवं कल्याण हेतु सरकार चला रही अहम योजनाएं: मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बच्चों की शिक्षा व संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री कोरोना सहायता योजना, वात्सल्य योजना, उत्कर्ष योजना, गोराधाय ग्रुप बालक देखभाल योजना, बाल मित्र योजना, पालनहार योजना, मुख्यमंत्री हुनर विकास योजना, पालनहार आवासीय छात्रावास योजना, बाल गृह, उड़ान योजना, शिक्षा सेतु योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना जैसी महत्वकांक्षी योजनाएं चला रही हैं। आमजन तक इन योजनाओं की जानकारी पहुंचाना हमारा दायित्व है। स्वयंसेवी संस्थाओं, प्रिंट मीडिया व इलेक्ट्रोनिक मीडिया का भरपूर सहयोग इस पुनीत कार्य में लिया जाना चाहिए। राज्य सरकार द्वारा 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के रख-रखाव मद में वृद्धि करते हुए राजकीय एवं गैर-राजकीय अनुदानित गृहों में प्रति आवासी व्यय 2938 रूपए कर दिया गया है। प्रत्येक जिले में किशोर न्याय बोर्ड का गठन किया गया है। कौशल विकास प्रशिक्षण के तहत बेसिक कम्प्यूटर, मोबाईल रिपेयरिंग और जीवन कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 8 जिलों में सुरक्षित अभिरक्षा गृह की स्थापना की गई है। गहलोत ने कहा कि पालनहार योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष 5.50 लाख से अधिक बच्चों के भरण-पोषण व शिक्षा हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। बालिकाओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण हेतु कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसके तहत लाखों बालिकाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। बच्चों के विरूद्ध यौन अपराधों की रोकथाम हेतु पुलिस तंत्र को मजबूत किया गया है।

कल्याणकारी योजनाओं की सफलता में एनजीओ का योगदान महत्वपूर्ण: मुख्यमंत्री ने कहा कि बाल संरक्षण व बाल कल्याण के क्षेत्र में सरकार के साथ मिलकर उत्कृष्ट कार्य कर रहे अच्छे एनजीओ साधुवाद के पात्र है तथा सरकार के द्वारा उन्हें वित्तीय सहायता में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। हालांकि सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है परंतु जानकारी के अभाव में गांव-ढ़ाणी तक इनका लाभ नहीं पहुंच पाता है। इस समस्या को दूर करने के लिए प्रेरक योजना के माध्यम से सरकार द्वारा 2000 युवाओं को जनकल्याण की विभिन्न योजनाओं को लाभार्थी तक पहुंचाने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। सरकार के पास संसाधन होते है परंतु एनजीओ के कार्यकर्ता एक भाव के साथ जुड़ते है जिससे योजना सफल हो जाती है। वर्तमान राज्य सरकार एनजीओ को प्रोत्साहन देने वाली सरकार है तथा शासन में एनजीओ की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने स्वयंसेवी संस्थाओं से सरकार के साथ मिलकर राज्य में विभिन्न कारणों से स्कूल छोड़ने वाले बच्चों को चिन्हित करके शिक्षा से पुनः जोड़ने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिना शिक्षा के जीवन अंधकारमय होता है। मानव संसाधन अच्छी गुणवत्ता का होने पर ही देश का भविष्य बेहतर हो सकता है।

गहलोत ने इससे पहले बाल संरक्षण संकल्प यात्रा के पोस्टर, बाल संरक्षण संकल्प गीत, शॉर्ट फिल्म 'डाली' व नशा मुक्ति पोस्टर का विमोचन किया। उन्होंने बाल संरक्षण संकल्प पर भी हस्ताक्षर किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय रोलबॉल प्रतिस्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण पदक व कांस्य पदक जीतने वाली राजस्थान की पुरूष व महिला टीम को बधाई देकर उनकी हौसला अफजाई की।

कार्यक्रम के दौरान बाल अधिकारिता मंत्री ममता भूपेश ने कहा कि मुख्यमंत्री ने नेतृत्व में राज्य में बाल संरक्षण एवं कल्याण हेतु विभिन्न नवाचार किए गए है। राज्य के शेल्टर होम्स में बच्चों को काउंसलिंग के साथ रोजगार कौशल भी सिखाया जा रहा है। प्रदेश में कन्या भ्रूण हत्या के प्रति जागरूकता बढ़ने से लिंगानुपात में सुधार हुआ है।

राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग अध्यक्ष संगीता बेनीवाल ने कहा कि यात्रा के माध्यम से राज्य सरकार की बाल कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता में वृद्धि होगी तथा उपेक्षित बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा। बाल अधिकारिता विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने कहा कि विभाग सभी बच्चों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने के लिए कृत-संकल्पित है।

कार्यक्रम में विधायक रफीक खान, भरोसी लाल जाटव, पदमाराम मेघवाल, ओमप्रकाश हुड़ला, हाकम अली खान, जन अभाव अभियोग निराकरण समिति अध्यक्ष पुखराज पाराशर, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सिविल राइट्स स्मिता श्रीवास्तव, राज्य प्रमुख यूनिसेफ डॉ. ईसाबेल बाडेम, पिंकसिटी साइकिल रिक्शा चालक संस्था के सचिव विपिन तिवारी, बाल संरक्षण विशेषज्ञ संजय निराला, बाल संप्रेषण विशेषज्ञ अंकुश सिंह आदि उपस्थित रहे।

NIAM को नेशनल लीडरशिप अवॉर्ड

जयपुर। जयपुर की चौ. चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान (NIAM) को कृषि विपणन के क्षेत्र में और देश में कृषि उद्यमिता एवं कृषि व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा नेतृत्व पुरस्कार दिया है। जयपुर में आयोजित विश्व शिक्षा कांग्रेस पुरस्कार के 11वें संस्करण में NIAM के डायरेक्टर डॉ. रमेश मित्तल ने ये पुरस्कार प्राप्त किया।

इस मौके डॉ. मित्तल ने बताया कि NIAM न केवल भारत में बल्कि दक्षिण-पूर्व एशिया में भी कृषि मैनेजमेंट की अग्रणी संस्था है। पिछले 20 सालें से 100% प्लेसमेंट के साथ एम.बी.ए. इन एग्रीकल्चर मैनेजमेंट कार्यक्रम चलाने में अग्रणी रहा है। उन्होंने बताया कि NIAM के पूर्व छात्र वरिष्ठ पदों पर प्रमुख संगठनों में देशभर में काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हमारा इंस्टीट्यूट जर्मन सरकार के साथ भी एक परियोजना चला रहा है। डॉ. मित्तल ने बताया कि NIAM कृषि उद्यमिता, कृषि व्यवसाय और कृषि स्टार्टअप गतिविधियों के लिए 4 राष्ट्रीय संस्थानों का मार्गदर्शन कर रहा है और 500 से अधिक स्टार्टअप को प्रशिक्षित करके देश के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में अत्यधिक योगदान कर रहा है।

प्रशासन शहरों के संग शिविर पर रोक

नगरीय निकायों को पुराने सभी कैंप स्थगित करने के आदेश, 15 जुलाई से लगेंगे नए सिरे से कैंप

फाइल फोटो

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेशभर में चल रहे प्रशासन शहरों के संग अभियान शिविर को सरकार ने 15 जुलाई तक के लिए रोक दिया है। स्वायत्त शासन विभाग ने एक आदेश जारी करते हुए। आदेशों के तहत 15 जुलाई तक अगर किसी निकाय ने कोई कैम्प निर्धारित किया है तो उसे रोकने के आदेश दिए है। सूत्रों के मुताबिक बीती रात मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रशासन शहरों के संग अभियान का रिव्यू किया था। इसमें लक्ष्य के मुताबिक पट्टे नहीं देने पर सीएम नाराज हुए और उन्होंने इसका कारण पूछा। इस पर यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने बताया कि निकायों में कर्मचारी और अधिकारी ठीक से काम नहीं कर रहे और इन पर मॉनिटरिंग करने वाला कोई नहीं है।

8 महीने में 40 फीसदी भी टारगेट पूरा नहीं: अक्टूबर 2021 से सरकार ने प्रशासन शहरों के संग अभियान शुरू किया था, जिसे इस साल मार्च तक दो चरण में पूरा करना था। पहले चरण में जो कैम्प लगे थे, उनका दूसरे चरण में रिपिट कैप लगाकर शेष रहे लोगों को पट्टे देने थे। इस पूरे अभियान में सरकार ने 10 लाख पट्टे जारी करने का लक्ष्य रखा है, लेकिन 8 महीने निकलने के बाद भी 40 फीसदी भी टारगेट पूरा नहीं हुआ। प्रमुख शासन सचिव यूडीएच कुंजीलाल मीणा ने दिए एक प्रजेन्टेशन में बताया कि अभियान के दौरान अब तक 3 लाख 36 हजार 61 पट्टे जारी किए जा चुके हैं।

अब वार्डवार शिविर लगाने के निर्देश: वर्तमान में जयपुर, जोधपुर, कोटा समेत प्रदेश के सभी शहरों में जोनवार शिविर लगाए जा रहे है। इस कारण लोगों को जोन में आकर आवेदन करना पड़ रहा है। लेकिन आवेदन करने के बाद उस आवेदन का क्या हुआ ये अधिकांश लोगों को पता नहीं चलता। नगर निगम जयपुर में ही बीते कुछ दिनों में कई फाइलें जो शिविर में लगी थी वह गायब है। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री ने अब 15 जुलाई से वार्डवार कैंप लगाने के निर्देश दिए है, साथ ही उनमें पार्षदों को भी जोड़ने के लिए कहा है, ताकि कैंप में आने वाले आवेदनों का जल्द से जल्द निस्तारण हो और लोगों को जोन ऑफिसों के चक्कर नहीं काटने पड़े।

शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने वेदिक गणित कार्यक्रम का पोस्टर लांच किया

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत छात्रों को गणित विषय में रुचि जगाने के लिए वेदिक गणित और एबेकस का महत्व सर्वविदित है। इसी को ध्यान में रखते हुए आस्ट्रेलिया में अच्छे पैकेज की नौकरी छोड़कर आये गौरव और उनकी पत्नी रुचि ने 'मिंशा' के नाम से एक स्टार्ट अप शुरू किया है। इन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसरण में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम द्वारा अनुमोदित 'आवास'(एबेकस एंड वेदिक एरिथमेटिक्स स्टडी) के साथ शाला साझेदारी कार्यक्रम (स्कूल पार्टनरशिप प्रोग्राम) प्रारंभ किया है जिसमें पहली से पांचवी कक्षा के बच्चों को एबेकस व छठी से दसवीं तक के बच्चों को वेदिक गणित रुचिकर तरीके से सरलीकृत करके सिखाया जायेगा। उल्लेखनीय है कि यह कार्यक्रम सी. बी. एस. ई. पाठ्यक्रम के अनुसार बनाया गया है। शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला द्वारा अपने कार्यालय में गौरव और उनकी पत्नी रुचि को 'मिंशा' का पोस्टर विमोचन करते हुए सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं दी गई।

रोज न्यू-ईयर से भी ज्यादा बीयर पी रहे लोग: कोविड खत्म होते ही लोग टूट पड़े, हर दिन 23 करोड़ की सेल

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान में सबसे ज्यादा शराब नए साल के मौके पर पी जाती है, लेकिन इस बार गर्मी के दिनों के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। इसमें राजस्थान के लोग रोज करीब 23 करोड़ की बीयर पी जा रहे हैं। वहीं, इस साल न्यू ईयर पर लोगों ने इसकी आधी ही करीब 12 करोड़ की बीयर पी थी। वहीं, 2020 में भी न्यू ईयर पर सिर्फ 10 करोड़ की बीयर बिकी थी। दरअसल, कोविड का दौर गुजरने के साथ ही जिन्दगी पहले की तरह वापस सामान्य होने लगी है। इसका असर अब शराब के शौकीनों पर भी दिखने लगा है। तेज गर्मी में शराब के शौकीन लोग अब अंग्रेजी शराब की जगह पहले की तरह वापस ठंडी बीयर पीने लगे है। यही कारण है कि इस सीजन गर्मियों में हर रोज राजस्थान में लोग 14.75 लाख (23 करोड़ रुपए से ज्यादा) से ज्यादा बोतल बीयर की गटक रहे है।

राजस्थान स्टेट बेवरेज कॉर्पोरेशन (RSBCL) की रिपोर्ट देखे तो इस साल गर्मियों के सीजन में बीयर की जबरदस्त डिमांड रही है। अप्रैल, मई और 20 जून तक 81 दिनों के अंदर पूरे राज्य में बीयर की लगभग 1 करोड़

पेटियां बिक चुकी है यानी हर रोज औसतन 1.23 लाख पेटियां बीयर की बिक रही है। बीयर की ये बिक्री पिछले 2 साल के मुकाबले 160 फीसदी तक ज्यादा है। बीयर की डिमांड का ही असर रहा कि इस साल इंडियन मेड फोरन लिकर की डिमांड थोड़ी कम हुई। पिछले साल कोविड के दौरान अप्रैल में IMFL की बिक्री और इस साल अप्रैल में हुई बिक्री में 29 फीसदी का अंतर है यानी इस साल 29 फीसदी कम बिक्री हुई। IMFL गिरने के पीछे कारण कंपनियों की ओर से शराब की कीमतों में इजाफा है।

तेज गर्मी में डिमांड पहुंची पौने दो लाख पेटियों तक: शराब कारोबारियों और RSBCL के अधिकारियों की माने तो जब मई-जून में प्रदेश में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के आसपास था और तेज गर्मी पड़ रही थी तब बीयर की डिमांड बहुत ज्यादा हो गई थी। ये डिमांड हर रोज औसतन 1.75 लाख पेटियों तक पहुंच गई थी। राज्य में बीयर का उत्पादन औसतन 1.30 लाख पेटियों का है, जिसके चलते गर्मियों में डिमांड ही पूरी नहीं हो सकी थी। RSBCL अधिकारियों की माने तो राजस्थान में बनी बीयर की डिमांड एनसीआर एरिया में भी खूब रही, क्योंकि एनजीटी के आदेश के बाद एनसीआर दिल्ली में बीयर उत्पादन कंपनियों ने प्रोडक्शन टाइम घटा दिया है, जिसके कारण वहां उत्पादन कम हो गया।

चुनिंदा ब्रांड्स की ही थी ज्यादा डिमांड: राजस्थान में बीयर के कुछ करीब 10 ब्रांड है, जो बिक्री के लिए शराब की दुकानों पर उपलब्ध होते है, लेकिन इसमें से भी 2-3 ही ऐसे ब्रांड थे, जिनकी डिमाण्ड सबसे ज्यादा थी। जबकि इस साल बीयर की कीमतों में सरकार ने 10 रुपए तक का इजाफा भी किया है।

हाईवे पर बिना Fastag के दौड़ेंगी गाड़ियां

NH पर नजर नहीं आएंगे टोल, दूरी के हिसाब से कटेंगे रुपए; जल्द शुरू होगा ANPR सिस्टम

जयपुर। हाईवे पर लंबी-लंबी लाइनों में लगने की अब जरूरत नहीं होगी। न ही आपको यह चिंता करनी होगी कि 5 किलोमीटर के सफर में आपको पूरा टोल देना पड़ेगा। अब जल्द ही राजस्थान से निकलने वाले हाईवे हाईटेक होने वाले हैं। इन पर जल्द ही ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रीडर सिस्टम लागू होने वाला है। दरअसल, केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय नया कॉन्सेप्ट लेकर आ रहा है। राजस्थान में नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया एक ऐसा ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे बना रहा है, जहां एक भी टोल बूथ नहीं होगा। इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि व्हीकल के ओनर को उतने ही रुपए देने होंगे जितना वह हाईवे पर चला है। इसकी शुरुआत राजस्थान से गुजरने वाले ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे से हो होगी।

राजस्थान में होगा सबसे बड़ा डेडिकेटेड एक्सप्रेस-वे: पंजाब के अमृतसर से शुरू होकर गुजरात के जामनगर तक बन रहा रहा यह ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे राजस्थान से भी जुड़ेगा। इसकी कनेक्टिविटी पंजाब, हरियाणा और अरब सागर के बंदरगाह तक भी होगी। भारत माला प्रोजेक्ट के तहत बनाए जा रहे इस ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे की राजस्थान में कुल लम्बाई 637 किलोमीटर है, जबकि पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में इस पूरे प्रोजेक्ट की कुल लम्बाई 1,224 किलोमीटर है।

4 जुलाई के बाद मिलेगा नया प्रिंसिपल:

डॉ. भंडारी ने वीआरएस मांगा, 4 मेडिकल कॉलेजों में प्रिंसिपल पद के लिए 37 आवेदन आए थे

हिलव्यू समाचार

जयपुर। एसएमएस मेडिकल कॉलेज को 4 जुलाई के बाद नया प्रिंसिपल मिल जाएगा। नए प्रिंसिपल के लिए गुरुवार को इंटरव्यू हुए। इधर, प्रिंसिपल डॉ. सुधीर भंडारी ने वीआरएस के लिए आवेदन कर दिया है। आवेदन के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग के स्तर पर वीआरएस देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अंतिम निर्णय के लिए फाइल चिकित्सा मंत्री परसादी लाल को भेजी गई है।

वीआरएस के बाद डॉ. भंडारी आरयूएचएस के स्थाई वीसी की जिम्मेदारी संभालेंगे। अभी डॉ. भंडारी चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन कार्यरत हैं, जबकि आरयूएचएस स्वायत्तशासी संस्था है। डॉ. भंडारी एसएमएस मेडिकल कॉलेज के 4 साल तक प्रिंसिपल रह चुके हैं। 4 जुलाई

को कार्यकाल पूरा हो रहा है।

साक्षात्कार देने के लिए 28 डॉक्टर पहुंचे: सीएस उषा शर्मा की अध्यक्षता में हुए इंटरव्यू में 28 चिकित्सक शामिल हुए। डॉ. एसएम शर्मा, डॉ. दीपक माथुर, डॉ. सुधीर मेहता, डॉ. विनय मल्होत्रा, डॉ. राजीव बगरहट्टा, डॉ. शिवम प्रियदर्शी, डॉ. राकेश जैन, डॉ. लीनेश्वर हर्षवर्धन, डॉ. प्रभा ओम, डॉ. रामेश्वरम शर्मा, डॉ. धीरज सक्सेना, डॉ. प्रवीण माथुर, डॉ. भावना शर्मा,डॉ. गोवर्धन मीणा, डॉ. बी पी मीणा, डॉ. चन्द्रभान मीणा, डॉ. संजीव देवगौड़ा, डॉ. सुशील, डॉ. सुधीर कुमार, डॉ सी एल नवल, डॉ लोकेंद्र शर्मा, डॉ गुंजन सोनी, डॉ सुदेश अग्रवाल,डॉ. बाल किशन गुप्ता, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, डॉ. परमेन्द्र सिरोही, डॉ. वीर बहादुर सिंह, डॉ. संजीव कुमार नैनीवाल ने पक्ष रखा। साक्षात्कार में आरयूएचएस के वीसी डॉ. सुधीर भंडारी, प्रमुख चिकित्सा शिक्षा सचिव वैभव गालरिया व प्रमुख कार्मिक सचिव हेमन्त गेरा भी शामिल हुए। इधर, डॉ. अरविन्द शुक्ला, डॉ कुसुम लता, डॉ मोहम्मद सलीम, डॉ मुकेश आर्य, डॉ राजेन्द्र बागड़ी, डॉ रामेश्वर सुमन, डॉ रोहित अजमेरा, डॉ श्रीपहल राम मीणा, डॉ तरूण लाल इंटरव्यू में नहीं पहुंचे।

चयन समिति में नए प्रोजेक्ट्स पर फोकस रहा: साक्षात्कार में चयन समिति का नए प्रोजेक्ट्स पर फोकस रहा। इंटरव्यू बोर्ड ने अधिकांश चिकित्सकों से आईपीडी टॉवर, कैंसर इंस्टीट्यूट, निशुल्क ओपीडी-आईपीडी सेवा समेत कई प्रोजेक्ट्स को लेकर विजन जाना, साथ ही पूछा अगर उन्हें जिम्मेदारी मिलती है तो वे कैसे इन प्रोजेक्ट्स को नई ऊर्जा देंगे। चिकित्सकों को विजन रखने के लिए तीन मिनट दिया गया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक **शालिनी श्रीवास्तव के लिए** अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, सह-संपादक: हरीश श्रीवास्तव (छबड़ा बारां) मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) **hillviewsamachar@gmail.com**